राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार , 09 मई 2025

वर्ष 14,अंक 30, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

नगर पंचायत मोहनलालगंज में राजस्व टीम ने चलाया बुलडोजर, ढहाया अवैध कब्जा....03

शहर के अतिक्रमण पर नगर आयुक्त के सख्त हुए तेवर.....04

राहुल गांधी बोले- संसद में हो चर्चा, ऑपरेशन सिंदूर पर मिले पूरा समर्थन

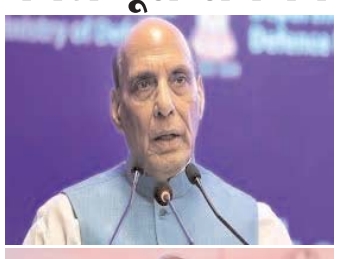

स्वतंत्र प्रभात

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'ऑपरेशन सिंदूर 'को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि विपक्ष देश के सशस्त्र बलों के साथ खड़ा है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सर्वदलीय बैठक में नहीं आना दुख की बात है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, "हम चाहते थे कि इस बैठक में प्रधानमंत्री जी पधारें और आतंकवादियों के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर अपनी बात रखें। लेकिन वह नहीं आए। पिछली बैठक में भी नहीं आए थे। यह बहुत दुख की बात है। 'उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के सभी दलों के लोग और दूसरे दलों के लोगों ने एक स्वर में कहा था कि वो हर कदम पर सरकार और सेना के साथ हैं। खरगे ने कहा कि सभी ने यह मुद्दा उठाया कि सीमा के निकट लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए और जम्मू कश्मीर में जो लोग मारे गए हैं उनके परिवारों का ख्याल रखा जाए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पाकिस्तान में सिर्फ आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा, "हमने पूरा समर्थन दिया है।" उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी ने कहा कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए जिसका अच्छ संदेश जाएगा। खरगे का कहना था कि विशेष सत्र की मांग पर सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर 'की सफलता और उसके बाद की स्थिति को लेकर सर्वदलीय बैठक में सभी दलों के नेताओं को जानकारी दी। गत 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों और विपक्षी नेताओं की पिछले एक पखवाड़े में यह दूसरी बैठक थी। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, एस जयशंकर, जे पी नड्डा और निर्मला सीतारमण ने बैठक में सरकार का प्रतिनिधित्व किया, जबकि कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय और द्रमुक के टी आर बालू तथा कई अन्य विपक्षी नेता शामिल थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शामिल अन्य विपक्षी नेताओं में समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, शिवसेना (उबाठा) के संजय राउत, राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले, बीजद के सस्मित पात्रा और माकपा के जॉन ब्रिटास शामिल रहे। इनके अलावा जद (यू) नेता संजय झा, केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान तथा एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी बैठक का हिस्सा थे। पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में, भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 नागरिकों की हत्या के दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर 'के तहत ये सैन्य हमले किए गए। इससे पहले सरकार ने पहलगाम हमले के बारे में सभी दलों के नेताओं को जानकारी देने के लिए 24 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाई थी।

'सिंदूर तो सिर्फ झांकी है, हल्दी, मेंहदी बाकी है...' भारत की एयर स्ट्राइक पर बोले बाबा बागेश्वर

स्वतंत्र प्रभात

पहलगाम आतंकी हमले के लगभग दो हफ्ते बाद भारत ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (PoK) में आतंकियों के 9 ठिकानों को धूल में मिला दिया। इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के संरक्षण में पल रहे जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय बहावलपुर और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वार्टर भी शामिल थे। भारत की इस साहसिक एयर स्ट्राइक पर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी प्रतिक्रिया दी है जो काफी तीखी और स्पष्ट है।

सिंदूर तो सिर्फ झांकी है, हल्दी, मेंहदी बाकी है

'ऑपरेशन सिंदूर 'पर अपनी फेसबुक पोस्ट में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक शक्तिशाली संदेश लिखा - सिंदूर तो सिर्फ झांकी है, हल्दी, मेंहदी बाकी है। जय हिंद, जय मां भारती, जय श्री राम.. इससे पहले भी 'ऑपरेशन सिंदूर 'पर बाबा बागेश्वर ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा था कि सिंदूर उजाड़ने वालों को हमारी वीर सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारत की शेरनियों ने पाकिस्तान में घुसकर यह कर दिखाया है।

मसूद को होगा अपनों के दर्द का एहसास

इतना ही नहीं आतंकी मौलाना मसूद अजहर की मौत की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अब मसूद अजहर को पता चलेगा कि अपनों का

दर्द कैसा होता है। उन्होंने कहा कि इस आतंकी ने न जाने कितने परिवारों की खुशियां छीन ली थीं इसलिए उसे सबक सिखाना बहुत जरूरी था। मसूद अजहर के कथित बयान 'मैं भी मर जाता 'पर बाबा बागेश्वर ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कोई न कोई तो रोने वाला भी चाहिए। अपनी आंखों से वह देख तो पा रहा है कि कार्रवाई क्या होती है। किसी का घर उजाड़ने पर कैसा लगता है अब उसे यह महसूस करने दीजिए। बाबा बागेश्वर के इन बयानों से स्पष्ट है कि वे 'ऑपरेशन सिंदूर 'से संतुष्ट हैं लेकिन उनका हल्दी, मेहंदी बाकी है वाला बयान यह संकेत देता है कि भारत को अभी और भी कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है ताकि आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके और पाकिस्तान को उसकी हर नापाक हरकत का करारा जवाब दिया जा सके।

झुग्गी-झोपड़ियों पर बुलडोजर; हम तो ऐसे नहीं छोड़ेंगे, सजा देकर रहेंगे

● डिप्टी कलेक्टर पर बुरी तरह भड़की।

स्वतंत्र प्रभात

देश के अगले मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई को आज (मंगलवार को) एक याचिकाकर्ता पर बुरी तरह भड़कते हुए देखा गया। इस दौरान उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा कि आज आप अपने छोटे-छोटे बच्चों की दुहाई दे रहे हैं लेकिन जिनका घर आपने उजाड़ा, उनके भी तो बच्चे थे। दरअसल, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ आंध्र प्रदेश के एक डिप्टी कलेक्टर (DC) की उस अर्जी पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें अधिकारी ने हाई कोर्ट द्वारा अवमानना के मामले में दी गई सजा के खिलाफ अपील की थी। आरोपी अधिकारी ने तहसीलदार के पद पर रहते हुए हाई कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना की थी और गुंटूर जिले में गरीबों की झुग्गी-झोपड़ियों पर बुलडोजर चलवा दिया था। इस हरकत से नाराज आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने उस अधिकारी को अवमानना का दोषी करार देते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई है। अधिकारी ने उस सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था कि उसे यहां से राहत मिलेगी लेकिन हुआ ठीक उलटा।

सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारी की हरकत और रवैये पर नाराजगी जताते हुए उसे पदावनत करने की बात कही तो याचिकाकर्ता ने उसका विरोध किया और कहा कि वह न्यायालय की अवमानना के लिए सजा के रूप में पदावनत को स्वीकार नहीं करेंगे। इस पर पीठ ने एक दिन पहले भी याचिकाकर्ता के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता देवाशीष भारुका से पूछा था कि वह अपने मुवक्किल से निर्देश प्राप्त करें कि क्या उसे पदावनत की सजा मंजूर है और वचन देने के लिए तैयार हैं? शीर्ष न्यायालय ने डिप्टी कलेक्टर को पदावनत कर फिर से तहसीलदार बनाने की बात कही थी, जबकि याचिकाकर्ता शीर्ष अदालत से बेदाग छूटने की उम्मीद कर रहा था। मंगलवार को जब फिर से इस मामले की सुनवाई शुरू हुई तो वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ को याचिकाकर्ता की अनिच्छा से अवगत कराया कि वह पदावनत की सजा के लिए तैयार नहीं है। याचिकाकर्ता आज खुद अदालत में सशरीर मौजूद था। उसने अदालत से दया की भीख मांगी और अपने बच्चों का हवाला दिया। इस पर पीठ नाराज हो गई। जस्टिस गवई ने कहा कि यह याचिकाकर्ता के बच्चों और उसके भविष्य को ध्यान में रखते हुए उसके प्रति नरमी बरती जा रही है। लेकिन उनकी जिद इस बात को बयां करती है कि हाईकोर्ट के आदेशों के प्रति उनका क्या रवैया रहा होगा।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस गवई ने टिप्पणी की, "हम उनका करियर बचाना चाहते थे। लेकिन अगर वह नहीं चाहते, तो हम कुछ नहीं कर सकते। इससे पता चलता है कि हाईकोर्ट के आदेशों के प्रति उनका क्या रवैया रहा होगा।" जब याचिकाकर्ता ने फिर दया की प्रार्थना की, तो जस्टिस गवई ने कहा, ÷जब 80 पुलिस वाले लेकर गरीबों के घर गिरा रहे थे, तब भगवान की याद नहीं आई आपको?" जस्टिस गवई ने आगे कहा, "आपके बच्चों के बारे में सोचते हुए, हम आपको जेल जाने से बचाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन अगर आप जाना चाहते हैं, तो जाइएज 2 महीने तक वहीं रहिए। आपकी नौकरी भी चली जाएगी। हाईकोर्ट की चेतावनी के बाद, अगर कोई इस तरह की हरकत करता है...चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह कानून से ऊपर नहीं है।

हम अपने हाईकोर्ट के आदेशों की इस तरह अवमानना नहीं होने देंगे। हम इसे सजा दिए बिना नहीं छोड़ेंगे।" हालांकि, कोर्ट ने आज भी भरुका को याचिकाकर्ता को समझाने के लिए 10 मिनट का समय दिया। इसके बाद जस्टिस गवई ने कहा, "अगर वह अड़े हुए हैं, तो हम मदद नहीं कर सकते। हम नहीं चाहते...उनका रवैया बिल्कुल साफ है।" जब याचिकाकर्ता अड़े रहे, तो कोर्ट ने याचिका खारिज करने की इच्छा जताई। कोर्ट ने कहा, "हम उनके खिलाफ ऐसी सख्त टिप्पणियां करेंगे कि कोई भी नियोक्ता उन्हें काम पर रखने की हिम्मत नहीं करेगा। वे प्रोटोकॉल के निदेशक हैं। उन्हें लगता होगा कि वे सरकार के करीब हैं...हम कभी इतने सख्त नहीं होते, लेकिन यहां हम उनकी बातों को समझ सकते हैं। उनकी जिद बहुत कुछ बयां करती है। अगर वे जिद पर अड़े रहे, तो हम न केवल उन्हें बर्खास्त करेंगे, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें फिर से बहाल न किया जाए। हम इससे ज्यादा नरम नहीं हो सकते।" जस्टिस गवई ने कहा, "ऐसे तो नहीं छोड़ेंगे। सजा तो देकर ही रहेंगे। उसे जेल जाना ही पड़ेगा।"

संक्षिप्त ख़बरें

सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण 9 मई को होगा आयोजित

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन लखनऊ के 25 अप्रैल को सम्पन्न हुए चुनाव में सत्र 2025- 2026 हेतु नवीन कार्यकारिणी में नव निर्वाचित हुए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण शुक्रवार को किया जाएगा। सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के महामंत्री शिवकुमार पाण्डेय ने बताया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को शाम 3:00 बजे होटल "दि गोल्डेन एप्पल" बी-749 सेक्टर-सी, महानगर, निकट वायरलेस चौराहा, महानगर, लखनऊ में सम्पन्न किया जाएगा।

नगला भैंसी गांव में दुकान का ताला तोड़कर लैपटॉप, मोबाइल एवं नगदी चोरी, पुलिस जांच में जुटी

हरदोई। पाली थाना क्षेत्र के नगला भैंसी स्थित एक दुकान में मंगलवार रात को अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। सुबह जब दुकानदार पहुंचा तो ताला टूटा और लैपटॉप सहित अन्य सामान गायब मिला। पीड़ित दुकानदार ने थाने में तहरीर दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। दुकानदार जितेंद्र ने बुधवार को बताया कि उसकी दुकान से अज्ञात चोर 3 विभिन्न कंपनियों के एंड्रॉयड मोबाइल, एक लेपटॉप और पांच हजार रुपए कैश चोरी कर ले गए। चोरों ने सीसीटीवी का डीवीआर भी तोड दिया। पीड़ित जितेंद्र ने थाने में तहरीर दी जिसके बाद थानाध्यक्ष सोमपाल गंगवार पुलिस टीम के साथ ने घटना स्थल पर पहुंचे और जांच की।

विकास खंड बेहजम की ग्राम पंचायत सनीगावा मे कागजो पर काम दिखा लाखो हज़म

● नाबालिग़ बच्चों से ताल खुदाई करा उनके पिता के नाम फर्जी हाज़िरी भरकर निकाला जा रहा भुगतान-ग्रामीण

समुदायिक शौचालय और पंचायत भवन की स्थित बदहाल

कागजों पर नल मरम्मत कार्य दिखा मिस्त्री और मजदूर के नाम पर भुगतान निकालकर हजम कर लिए जाने का मामला

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी मामला विकासखंड बेहजम की ग्राम पंचायत सनिगवा का है जहां पर प्रधान व पंचायत सचिव की मिली भगत और खंड विकास अधिकारी के संरक्षण में कागजो पर काम दिखाकर लाखों की सरकारी धनराशि का गवन कर लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। उक्त सरकारी धनराशि के गवन के मामले पर खंड विकास अधिकारी बेहजम चुप्पी साधे हुए दिखाई पड़ रहे हैं। साहब की चुप्पी स्वयं बयां कर रही है कि विकासखंड बेहजम में किस कदर भ्रष्टाचार की जड़े गहरी जमी है। इनको समूल उखाड़ पाना तो दूर इस पर लगाम लगा पाने में भी यह साहब नाकाम साबित हो रहे हैं।ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत सनिगवां में प्रकाश में आया है, जहां पर ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव ने आपस में बंदर बांट करके पंचायत भवन मरम्मत कार्य करा कागजों पर निर्माण दिखाकर मिस्त्री और मजदूर के नाम पर भुगतान निकालकर आपस में बंदर बांट कर लिए जाने की चर्चाओं का बाजार गर्म है।वही मनरेगा से खुदवाये जा रहे तालाब मे फर्जी

हाज़िरी लगाकर पैसा निकाले जाने मामला भी सुर्खियां बना है। लोगों का आरोप है उक्त धनराशी निकालकर पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान द्वारा आपस में बंदरबांट कर लिया गया जबकि हकीकत की जमीन पर कहीं भी कोई कार्य नहीं कराया गया है। उक्त आरोप नाम न छापने की शर्त पर दर्जनों ग्रामीणों द्वारा लगाए गए हैं सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मनरेगा मे नाबालिग बच्चों से काम कराया जाता हैं और हाज़िरी उनके पिता के नाम लगाई जाने की बात सामने आई हैं।और उपलब्ध कराए गए साक्ष पर एक नजर डालें तो मजदूर एवं मिस्त्री के नाम पर लाखो का भुगतान निकाला गया हैं। वाह क्या बात है महज कागजों पर ही विकास की रेल दौड़ा लाखों का माल हजम कर लिया गया और खंड विकास अधिकारी बेहजम साहब को इसकी भनक तक नहीं लगी। ग्राम पंचायत सनीगांवा के भ्रष्टाचार की यह तो महज बानगी है अभी काफी काम और कारनामे खुलकर आएंगी सामने जिनमे ह्युम पाइप खरीद नल रिबोर एवं मरम्मत के साथ-साथ मनरेगा में कराए गए कार्यों में बड़े स्तर पर की गई बाजीगरी के खेल का पर्दा फास होगा ग्राम पंचायत सनीगांवा में किए गए विकास के नाम पर भ्रष्टाचार की परत दर परत जानकारी के लिए क्रमशः अगले अंक में।

एस.एस.बी जबान से ठगी,नहीं दर्ज हो रही रिपोर्ट

स्वतंत्र प्रभात

बेहजम खीरी मामला थाना नीमगावं क्षेत्र का हैं।जहां एक सेना का जवान 2 माह से नीमगांव थाना के चक्करलगा रहा है लेकिन उसकी आज तक उसके साथ हुई ठगी की एफ आई आर दर्ज नहीं हो सकी है। मिली जानकारी के अनुसार विगत दिनों पूर्व चीन बार्डर पर तैनात सिपाही कुलदीप राज के साथ 2लाख की ठगी हुई थी।कुलदीप राज के बताएनुसार वह गत दो माह सेथाना नीमगांव के चक्कर लगा कर थक चुका है पर उसकी आजतक रिपोर्ट दर्ज नहीं की जा सकी है।मायूस होकर सिपाही कुलदीप राज ने बताया कि न्याय नहीं मिला तो परिवार सहित आत्महत्या कर लूँगा।अभी मेरी छुट्टी निरस्त हो गई है।शायद मुझे बार्डर पर जाना पड़ेगा।अगर शहीद नहीं हुआ तो वापस आऊंगा और अपने हक़ और अधिकार की लड़ाई लडूंगा। गौर तलब हो कि यह वही बहादुर जवान है जो

छिंदवाड़ा मे अपनी तैनाती के दौरान निहत्था होने के बावजूद नक्सलवादी कमांडर क़ो दबोच लिया था।एक सैनिक को खुद के लिए लड़ना और स्वाभिमान पर मर मिटना तो सही है? पर क्या उसके साथ हुई ठगी करने वालों के विरुद्ध नीमगांव पुलिस कोई कार्यवाही नहीं करना चाहती यह विडंबना का विषय है। सिपाही कुलदीप राज अपनी पत्नी को लेकर कई बार थाने पर आ चुका हैं,थाना प्रभारी निरीक्षक नीमगांव से लेकर पुलिस अधीक्षक से भी कई बार न्याय की गुहार लगाई पर सैनिक के मामले में मुकदमा पंजीकृत दायर नहीं किया गया।

नाला निर्माण में घटिया किस्म की पीली ईंटो हो रहा इस्तेमाल

● ... गरीब ग्रामीणों के विकास कार्य में ग्राम प्रधान व सचिव जमकर डाल रहे डाका जिम्मेदार मौन

स्वतंत्र प्रभात

काकोरी। राजधानी लखनऊ की ब्लाक काकोरी के ग्राम पंचायतों में जमकर सरकारी धन का बंदरबांट किया जा रहा है। काकोरी ब्लॉक की ग्राम पंचायत पहिया आजमपुर में ग्राम प्रधान व सचिव द्वारा नाली निर्माण कार्य में जमकर मनमानी करने का मामला प्रकाश में आया है। सैकड़ो ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम प्रधान नाला निर्माण में जेसीबी मशीन से खुदाई कराया है जब कि ग्राम पंचायत में मजदूरों द्वारा कार्य कराने का नियम है नाला खुदाई के बाद इसके निर्माण में घटिया किस्म की पीली ईंटो का इस्तेमाल करके निर्माण कार्य किया जा रहा है। पीली ईंटे इतनी कमजोर है कि लेबरों द्वारा उठाने पर ही टूटी जा रही है जिससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकारी धन का किस तरह बंदरबांट किया जा रहा है। नाला निर्माण के लिए ठेकेदार ने अच्छी ईटें मंगाने के बजाय पीली ईट मंगवाकर कार्य शुरू कर दिया है। आसपास के लोगों ने जब घटिया ईंटें देखी तो उन्होंने नाराजगी जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर मीडिया कर्मी पहुचने पर पीली ईंटो के बारे में पूरी जानकारी किया और इन पीली ईंटो द्वारा हो रहे निर्माण कार्य के बारे में सम्बंधित जिम्मेदार से बात की गई तो उन्होंने अपनी साफ सुथरी छवि दिखाने के लिए पत्रकार को ही लिखित शिकायत देने का फरमान जारी करते हुए फोन काट दिया।

इस सम्बंध में क्या कहते हैं जिम्मेदार?

विकास खण्ड अधिकारी काकोरी ने कहा कि आप लिखित शिकायत ब्लॉक पर आकर दे दो जांच करातें है। वही ग्राम प्रधान मतीन अहमद ने निर्माण कार्य में हो रही पीली ईट के नाम को सुनते ही फोन काट दिया।

थुलवासा चौकी पुलिस की सरपरस्ती में रात भर होता रहा खनन अधिकारी रहे मौन

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज/रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के अनेक गांवों में पुलिस की मिली भगत के चलते अवैध खनन व अवैध कटान जोरो पर है तथा खनन माफिया आए दिन रात के अंधेरे में जेसीबी व डंफर की मदद से धरती को छलनी करते हुए देखे जा रहे हैं। वहीं अवैध कटान का भी सिलसिला क्षेत्र में बदस्तूर जारी है। बताते चलें कि जहां एक ओर प्रदेश की योगी सरकार खनन माफियाओं पर नकेल कसने के लिए पूरी तरह से तत्पर है, और जिम्मेदारों को समय-समय पर शासन से प्रभावी कार्रवाई किए जाने के निर्देश भी दिए जाते हैं, तो वहीं दूसरी ओर शासन के निर्देशों का पालन करने को कौन कहे तथा कोतवाली पुलिस द्वारा सारे आदेशों और निर्देशों को कथित तौर पर अपनी पुलिसिया करवाई के चलते आदेशों को रौंदा जा रहा है। जिसके चलते खनन माफियाओं को संरक्षण प्रदान किया जा रहा है और शाम होते ही रात्रि के अंधेरे में खनन माफिया बेखौफ होकर धरती का सीना छलनी करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं जिसका साथ स्थानीय कोतवाली पुलिस बराबर दे रही है।

ज्ञात हो कि बीती रात महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के चरी का पूर्व मजरे पहाड़पुर गांव में जेसीबी व डंपर द्वारा क्षेत्र के शारदा नहर के नजदीक संपर्क मार्ग से सैकड़ो ट्रॉली मिट्टी खोदकर खनन माफिया ने शासन और प्रशासन को खुली चुनौती दी है तथा बीते एक सप्ताह के अंदर कोतवाली क्षेत्र के चरी का पुरवा पहाड़पुर रनागंज सहित कई गांवों में अवैध खनन जारी है और सूर्यास्त होते ही खनन माफिया अवैध खनन करने में मशगूल हो जाते हैं। स्थानीय पुलिस व कोतवाली पुलिस की मिली भगत के चलते ही यह अवैध खनन का कार्य चल रहा है। मामले में उप जिलाधिकारी तहसील सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा दूरभाष पर अवैध खनन की सूचना दी गई है हल्का लेखपाल व राजस्व निरीक्षक को मौके पर भेज कर अवैध खनन की जांच कराई गई है रिपोर्ट मिलते ही खनन विभाग को रिपोर्ट भेज कर खनन माफिया के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धार्थनगर- अवैध अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर मदरसा ध्वस्त

सिद्धार्थनगर। भारत- नेपाल सीमा से पन्द्रह किलो मीटर तक सरकारी जमीन पर बने अवैध मस्जिद, मदरसे की जांच प्रक्रिया के तहत शनिवार को एसडीएम सदर कल्याण सिंह मौर्या के निर्देशन में मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत अशर्फिया गरीब नवाज रेहरा परसा बेलहरी,मदरसा फैजल उलूम सल्फिया गनवरिया,शमशुल हुदा गौरा उर्फ गौरी के संचालकों को नोटिस देकर सील किया गया था। जिसमें बुधवार को गौरा उर्फ गौरी में स्थित अवैध ढंग से बने मदरसे का ध्वस्तीकरण के लिए टीम पहुंची। राजस्व टीम ने जेसीबी से मदरसे का ध्वस्तीकरण कराया। इस दौरान पुलिस टीम और राजस्व विभाग की टीम में राजस्व निरीक्षक शीतल प्रसाद द्विवेदी, राजस्व कर्मी विनय कुमार पांडेय,शशांक आनन्द आदि मौजूद रहे।

कनाडा में बदलाव भारत के लिए अवसर है

इस चुनाव में अमेरिकी डर जितना हावी रहा, उतना शायद ही इससे पहले कनाडा के किसी चुनाव में देखा गया हो। उत्तरी अमेरिका की भू-राजनीति में आक्रामक ट्रंपवाद का खासा असर देखा जा सकता है। उनकी आक्रामक टैरिफ रणनीति और अप्रत्याशित धमकियों ने कनाडा के मतदाताओं की चिंता बढ़ा दी। प्रभु चावला लोकतांत्रिक रंगमंच में बहुत कम आयोजनों ने इतनी उत्सुकता जगाई, जितनी कि हाल ही में कनाडा के संघीय चुनाव में जगी। वैश्विक आर्थिक झटकों और राष्ट्रवादी गर्वोक्तियों की पृष्ठभूमि के चुनावी मुकाबले में विनीत टेक्नोक्रैट से लिबरल पार्टी के नेता बने मार्क कार्नी को मामूली जीत हासिल हुई। कनाडा के इस चुनाव में सिर्फ घरेलू राजनीति मुद्दा नहीं थी। इस चुनाव में पार्टी और प्रत्याशियों के प्रदर्शन को देखा गया। पियरे पॉलिएव के नेतृत्व में कंजर्वेटिव्स ने धूम-धड़ाके के साथ चुनाव अभियान की शुरूआत की थी, पर आखिर में पार्टी को शर्मनाक ढंग से बाहर होना पड़ा। विवादों में रुचि होने, अलगाववादी तत्वों से जुड़ने और भारतीय हिंदुत्व के साथ खड़े होने के रहस्य भरे प्रयास के कारण कार्नी को मध्यमार्गी विचारधारा वाले मतदाताओं का समर्थन मिला, हालांकि कार्नी की पार्टी के जिस चुनाव अभियान को शुरू-शुरू में अप्रतिरोध्य बताया गया, बाद में वह विचारधारात्मक अपच की कहानी बन गया लेकिन जिस शख्सियत के लिए चुनावी नतीजा सबसे अफसोसनाक रहा, वह जगमीत सिंह हैं। एनडीपी का यह खालिस्तान समर्थक नेता जिसे लंबे समय तक कनाडा के सिखों की भावनाओं का प्रतीक माना जाता था, बर्नाबी सेंट्रल की अपनी सीट भी हार गया। उनकी पार्टी की सीटों का आंकड़ा 25 से घटकर एक अंक तक सिमट गया और 1993 के बाद पहली बार पार्टी के राष्ट्रीय पार्टी का आधिकारिक दर्जा भी छिन गया। जगमीत सिंह की भारत विरोधी टिप्पणियां, जिनमें खालिस्तानी अलगाववाद को समर्थन देने के अलावा 2023 में हुई हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की तीखी आलोचना भी थी, भले ही समान विचारधारा वाले लोगों के बीच सुनी जाती रही हों लेकिन चुनाव में इससे पार्टी को भारी नुक्सान हुआ। मतदाताओं ने भड़काऊ टिप्पणियों के बजाय शांति को और शिकायत की जगह प्रशासनिक सोच को तरजीह दी। अपनी सारी प्रतीकात्मकता के बावजूद जगमीत सिंह मुख्यधारा की राजनीति में विफल साबित हुआ, अब भारतीय-कनाडाई प्रवासियों की बात करते हैं। करीब 14 लाख की आबादी वाले इस समुदाय के वोटों का बड़ा हिस्सा मध्यमार्गी कार्नी को मिला। भारतीय मूल के रिकॉर्ड 65 प्रत्याशी इस चुनाव में जीते, जिनमें से 20 लिबरल पार्टी से थे, जिन भारतवंशियों ने अपनी सीट बरकरार रखी, उनमें अनिता आनंद, कमल खेड़ा, परम बैंस और सुख धालीवाल प्रमुख रहे।

अलबत्ता जगमीत सिंह की हार को ज्यादा बड़े राजनीतिक संदेश की तरह देखा जा रहा है। भारतवंशी मतदाताओं द्वारा दिया गया संदेश बिल्कुल स्पष्ट है। अपनी लड़ाई में हमें इस्तेमाल करना बंद करें। हम आपके द्वारा इस्तेमाल होने वाली चीज नहीं हैं। हम कनाडा के नागरिक पहले हैं, भावना का मामला उसके बाद आता है। यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है। वर्षों से भारतीय राजनीतिक वर्ग कनाडा के प्रवासी भारतीय समुदाय को सॉफ्ट पावर टूल की तरह इस्तेमाल करता था लेकिन इस बार के चुनाव में भारतवंशियों ने अपने इस्तेमाल होते जाने के सिलसिले को पलट दिया। इस चुनाव में अमेरिकी डर जितना हावी रहा, उतना शायद ही इससे पहले कनाडा के किसी चुनाव में देखा गया हो। उत्तरी अमेरिका की भू-राजनीति में आक्रामक ट्रंपवाद का खासा असर देखा जा सकता है। उनकी आक्रामक टैरिफ रणनीति और अप्रत्याशित धमकियों ने कनाडा के मतदाताओं की चिंता बढ़ा दी। नतीजा यह हुआ कि बड़ी संख्या में मतदाताओं ने कार्नी के सतर्क राष्ट्रवाद का रास्ता चुना। इस स्थिति ने भारत-अमेरिका-कनाडा के रिश्तों को उलझा दिया है। हथियारों के सौदों, योग कूटनीति और साझा तौर पर चीनी आक्रामकता के तिरस्कार के कारण भारत ट्रंप का दुलारा बना हुआ है लेकिन ओटावा (कनाडा की राजधानी) अब वाशिंगटन की कूटनीति में उतना महत्व नहीं रखता। बेशक हिंद-प्रशांत तनाव के मौजूदा दौर में क्वाड की प्रासंगिकता कहीं ज्यादा बढ़ गई है लेकिन भारत के कथित हस्तक्षेप पर कनाडा के क्षोभ को देखते हुए अब सतर्कता से कदम बढ़ाने की जरूरत है। भारत के लिए इस चुनाव को एक अवसर की तरह देखा जाना चाहिए। जगमीत सिंह के राजनीतिक परिदृश्य से लगभग अदृश्य हो जाने और उनकी पार्टी एनडीपी को उसका कद दिखा दिये जाने के बाद कनाडा के भारतवंशियों की राजनीति से भारत-विरोधी शिकायत और रुखापन गायब हो गया है, अब जरूरत इस बात की है कि फुसफुसाहटों को शब्दों में और अनुमानों को प्रतिबद्धता में बदला जाए।

सार्वजनिक तौर पर यह बताकर भी कि नई दिल्ली को ओटावा के आंतरिक मामलों से कोई लेना-देना नहीं, कनाडा के इस आरोप को ध्वस्त किया जा सकता है कि भारत उसके मामलों में दखल देता है। ब्रैम्टन में बॉलीवुड फेस्टिवल, दिल्ली में व्यापार सम्मेलन और भारत-कनाडा यूनिवर्सिटी फेलोशिप जैसे कार्यक्रम ही द्विपक्षीय रिश्तों की ठोस बुनियाद हो सकते हैं। कार्नी आक्रामक नहीं हैं, न ही वह आवेशपूर्ण राजनीति करते हैं। इस कारण वह नरेंद्र मोदी के आदर्श प्रतिपक्षी हो सकते हैं जो दिखावे की कूटनीति में ज्यादा विश्वास करते हैं। कार्नी की प्रमुख चुनौती ट्रंप की अविश्वसनीय और अप्रत्याशित राजनीति से सामंजस्य बिठाने की होगी, ऐसे ही भारत की चुनौती कार्नी की मध्यमार्गी राजनीति के साथ सजग तालमेल बिठाते हुए उन संशयवादी भारतवंशियों को रास्ते से दूर करने की है जो अब तक खुद को द्विपक्षीय संबंधों के स्वयंभू राजदूत समझते आये थे। उम्मीद करनी चाहिए कि इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र की आमसभा में मोदी और कार्नी के बीच की गर्मजोशी महज औपचारिकता नहीं होगी। यह दोतरफा कूटनीति में नई शुरूआत होगी, जिसकी बुनियाद जलवायु सहयोग, आतंकवाद-विरोध, साइबर नीति और स्वच्छ तकनीक आदि होंगे। इससे बीजिंग को भी माकूल संदेश दिया जा सकेगा कि सॉफ्ट पावर ही अब नया हार्ड पावर है।

यह तभी संभव हो सकेगा, जब दोनों देश प्रतीकात्मकता की राजनीति से बाहर निकलेंगे। कार्नी की चुनावी जीत राज्यारोहण नहीं है, न ही वह आलोचना के पात्र हैं। कनाडा के मतदाताओं ने अतिवाद को नकार दिया लेकिन उन्होंने आत्मसंतुष्टि को गले नहीं लगाया। कार्नी को मिला जनादेश मामूली लेकिन अर्थपूर्ण है। भारत के लिए यह गोपनीय रणनीति बनाने का समय नहीं है। इसके बजाय यह कनाडा से दोटूक बात करने और व्यावहारिक कूटनीति निभाने का समय है। संदेह पर टिके द्विपक्षीय रिश्ते को अब साझा सम्मान से लिखा जाना चाहिए।

पाक की पेशानियों पर इतने बल क्यों?

'अभी-अभी तो रखा था संभल कर कदम,
उसे बचाने को एक पत्ता भी लहरों में बहाया था
पर काटना तो इसकी फितरत है, यही तो हैं
हरी-लाल चीटियां जिनको हमने बचाया था'

अपने नापाक इरादों के लिए दुनियाभर में कुख्यात पाक यानी पाकिस्तान अपने ही गुनाहों के बोझ तले तिलमिला रहा है। वहीं भारत की बात करें तो लगता है देश पहलगाम से आगे बढ़ कर अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में लौट आया है। वहीं पहलगाम हमले के दस दिनों बाद कांग्रेस ने अपनी सीडब्ल्यूसी यानी कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में बकायदा एक प्रस्ताव पास कर सरकार से पाकिस्तान को सबक सिखाने और आतंकवाद पर निर्णायक अंकुश लगाने की मांग की है। पीएम मोदी ने तो अब तक पूरे मामले में पाकिस्तान का नाम भी नहीं लिया है। आइए अब जानते हैं कि मौजूदा हालात में आखिर पाकिस्तान की हवा क्यों खिसकी हुई है? दरअसल आने वाले इस 9 मई को आईएमएफ यानी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक अहम बैठक होने वाली है, आईएमएफ के इसी कार्यकारी बैठक से संकेत मिल जाएंगे कि पाक को अब 7 अरब डॉलर का 'बेलआउट पैकेज' दिया जाएगा या नहीं? 37 महीनों की इस लोन डील में 6 समीक्षा बैठकें होनी हैं। अगर इस पहली समीक्षा बैठक में पाकिस्तान पास हो जाता है तो उसे एक अरब डॉलर की फौरी मदद तुरंत मिल जाएगी। पर पहलगाम के आंतकी हमले में पाकिस्तानी मूल के दो आंतकियों की शिनाख्त होने के बाद पाक के लिए मौके बेहद कम हो गए हैं।

समीक्षा की रिपोर्ट निगेटिव आने की संभावना ही ज्यादा है। जो आर्थिक रूप से जर्जर हाल पाकिस्तान के पेट पर एक बड़ी लात हो सकती है। पाक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी इमेज बचाए रखने की कवायद में जुटा है, पर उसे इसमें कोई खास सफलता नहीं मिल रही। 57 देशों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन यानी ओआईसी के मात्र 1 देश ही पाकिस्तान के बचाव में सामने आया है। वहीं भारत ने पाक पीएम शहबाज शरीफ समेत कई नामी पाकिस्तानी हस्तियों के सोशल मीडिया अकाऊंट ब्लॉक कर रणनैतिक तौर पर भी इस पड़ोसी देश को घुटने पर आने को मजबूर कर दिया है।

वसुंधरा को इतना भाव क्यों दे रहा है भाजपा आलाकमान

राजस्थान की भगवा राजनीति नई करवटें ले रही है, दिल्ली दरबार में यूं अचानक राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की पूछ बढ़ गई है। पिछले हफ्ते वसुंधरा की दिल्ली में एक बड़े नेता के साथ एक लंबी मुलाकात हुई, कहते हैं इस मुलाकात में महारानी को आश्वस्त किया गया कि पार्टी उनके सम्मान का पूरा ध्यान रखेगी और आने वाले सांगठनिक फेरबदल में उन्हें केंद्रीय संगठन में कोई अहम जिम्मेदारी भी दी जाएगी।

सूत्रों की मानें तो वसुंधरा ने साफ किया कि 'वह चूंकि पहले से पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर विराजमान हैं, सो अगर उनके लिए पार्टी शीर्ष कुछ करना ही चाहता है तो उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कर किसी अहम मंत्रालय से नवाजा जाए।' कहते हैं बड़े नेता की ओर से उन्हें भरोसा दिया गया है कि 'इस बारे में आलाकमान से राय लेकर जल्द ही एक निर्णय पर पहुंचा जाएगा।' दरअसल पार्टी का शीर्ष नेतृत्व प्रदेश भाजपा की आपसी गुटबाजी को लेकर बेतरह खिन्न है। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की लोकप्रियता और उनके परफॉरमेंस को आंकने के लिए पिछले दिनों पार्टी ने एक बड़ी एजेंसी से वहां जनमत सर्वेक्षण करवाया था, इस सर्वेक्षण में सबसे हैरान करने वाला वाकया यह उभर कर सामने आया कि सर्वेक्षण में शामिल किए गए 20-25 फीसदी लोग तो अपने राज्य के मुख्यमंत्री का नाम ही नहीं जानते थे। इससे बड़ी बात जो सर्वेक्षण से बाहर निकली कि अगर आज की तारीख में राजस्थान में विधानसभा चुनाव करा दिए जाएं तो भाजपा को अपनी सरकार बचाने के लाले पड़ जाएंगे।

सर्वेक्षणकर्ताओं ने अपने निष्कर्ष में बताया है कि राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की लोकप्रियता बस वहां के ब्राह्मणों के बीच ही है, जबकि वसुंधरा को कई जातियों के प्रतिनिधित्व का हुनर प्राप्त था। उनकी स्वयं की जाति ओबीसी है, वह जाटों की बहू हैं और गुर्जरों की समधिन इस नाते भी यह तीनों समुदाय उन्हें अपना मानते रहे हैं। जब बड़े नेता ने वसुंधरा से राज्य में पार्टी के गिरते ग्राफ के बारे में जानना चाहा तो कहते हैं महारानी ने राज्य के भाजपा प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल के सिर इसका ठीकरा फोड़ दिया, शायद यह अग्रवाल हैं जो गुटबाजी को हवा दे रहे हैं, यहां तक कि वे राज्य के मंत्रियों को सीधे काम करवाने के लिए फोन भी करते हैं। महारानी ने अविलंब राज्य प्रभारी बदलने की जरूरत पर बल दिया है।

क्या ममता-अभिषेक में इतनी ठन गई है?

कोलकाता की आबोहवा में बगावती

बारूद की गंध रच बस गई है और यह हवा सीधे तृणमूल के आंगन तक जा पहुंची है। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो भाजपा के बंगाल से तीन भाजपा सांसद तृणमूल ज्वॉइन करने को एकदम तैयार बैठे थे, इन तीनों सांसदों को मनाने की कवायद पहले से चल रही थी। इसके सूत्रधार थे ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और इसकी पटकथा तैयार की थी पूर्व क्रिज़ मास्टर और टीएमसी के एक अहम चेहरे डेरेक ओ ब्रॉयन ने। तीनों भाजपा सांसदों की डिमांड भी अलग-अलग थी, इसमें से पहले नंबर की चाह थी कि उन्हें अगला चुनाव लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं, पर बाबुल सुप्रियो की तर्ज पर उन्हें ममता सरकार में मंत्री बना दिया जाए, दूसरे वाले लक्ष्मी पूजन चाहते थे, वे अगला चुनाव लड़ने को भी तैयार थे, पर उनकी शर्त थी कि अगर खुदा ना खास्ते वे टीएमसी के टिकट पर चुनाव हार गए तो फिर दीदी उन्हें राज्यसभा में लेकर आ जाएं, तीसरे भाजपा सांसद भी स्वयं चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं थे, वे चाहते थे कि उनकी पत्नी को विधानसभा का चुनाव लड़वा कर राज्य सरकार में मंत्री बना दिया जाए।

कहते हैं अभिषेक की ओर से इस डील को हरी झंडी थी, पर ममता इस पर आगे ही नहीं बढ़ रही थीं। इधर इन तीनों भगवा सांसदों के सब्र का पैमाना टूटता जा रहा था। वहीं इनके पाला बदल की खबर भाजपा हाईकमान को भी लग गई थी, सो इन तीनों को तलब कर सख्ती से पूछा गया कि आखिर क्यों बदले-बदले से सरकार नज़र आ रहे हैं? ये सदन में भी कम दिखते हैं, पार्टी बैठकों में इनका अता-पता नहीं होता। अब तो इन सांसदों के पैरों के नीचे से जमीन निकल गई, दल बदल से पहले ही उनके लिए दुरूह सियासी दलदल तैयार था। इन्होंने आखिरी बार अभिषेक से चैक किया कि 'आखिर चल क्या रहा है, कुछ होगा कि नहीं?' अभिषेक ने डेरेक से कहा कि वे फौरन इस बाबत दीदी से बात करें। डेरेक ने दीदी से बात की तो ममता बेतरह उखड़ गई, बोलीं-'तुम लोग क्या फालतू के चक्कर में पड़े हो, पहले पीके के साथ मिल कर तुम सब ने गोवा, असम व त्रिपुरा में टीएमसी की इज्जत पर बट्टा लगा दिया। अब नया गेम शुरू कर रहे हो, यह जाने बगैर कि इससे हमें हासिल क्या होगा?' डेरेक भी चुप कर बैठ गए, अब पार्टी में दूर तलक यह बात फैल चुकी है कि 'अभिषेक की अब यहां कुछ चल नहीं पा रही।'

जाति जनगणना की घोषणा अभी क्यों?

सरकार ने भले ही जाति जनगणना कराए जाने का ऐलान उस वक्त किया हो जब देश पहलगाम हमले के दर्द में लिपटा था, पर सच पूछिए तो संघ ने इसकी इबारत सितंबर 2024 में ही लिख दी थी, जब भाजपा व संघ की तीन दिवसीय समन्वय बैठक केरल के पलक्कड़ में चल रही थी। वैसे तो संघ हमेशा से जाति जनगणना का मुखर विरोधी रहा है, संघ ऐसी जनगणना को निजी राजनैतिक लाभ के लिए समाज को बांटने का उपक्रम मानता है। इसीलिए नागपुर ने हमेशा हिंदुओं को जाति के चश्मे के बजाए अमीर व गरीब के तौर पर देखने की वकालत की है। इसे आप 'बंटोगे तो कटोगे' की बैकड्रॉप पर भी देख सकते हैं, यानी अगर हिंदू वोट बैंक में जातीयता की सेंध लगेगी तो भाजपा के मुंह से यह बड़ा निवाला छिन सकता है। पर इस वाकये का एक दूसरा पहलू भी है कि संघ का कहीं यह भी मानना है कि अगर भाजपा को दक्षिण भारत की राजनीति साधनी है तो जाति जनगणना की अनदेखी नहीं हो सकती। सो तमिलनाडु हो, कर्नाटक या फिर तेलांगना वहां की डीएमके व कांग्रेस सरकार हमेशा से जातीय जनगणना का राग अलापती रही है। बिहार की नीतीश सरकार पहले ही इस जनगणना का अलख जगा चुकी है, कांग्रेस व राजद जैसे दलों ने बिहार चुनाव में इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बना रखा है, सो, भाजपा भी इस बहती गंगा में हाथ धोना चाहती है, क्योंकि 27 में यूपी में भी चुनाव होने हैं।

संपादकीय

भारत के सैन्य बल का मनोबल न गिराएं विपक्षी नेता

जिस प्रकार से जंग के मुहाने पर खड़े भारत की उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने भारतीय फ़ाइटर जेट राफेल की खिल्ली उड़ाई है, यदि यह भारत न होकर रूस, चीन या सऊदी अरब व संयुक्त अरब अमीरात होता तो देश के सैन्य बल का घोर अपमान करने वाले को तुरंत देश से विश्वासघात के जुर्म में सलाखों के पीछे डाल दिया जाता। उधर असदुद्दीन ओवैसी ने भले ही पाकिस्तान को हड़काया है, मगर चीन के मामले में भारत को कोसा भी। इस प्रकार के बयान पूर्ण रूप से देश और दुर्भावना में लिप्त होते हैं। भारत की सेनाओं के शौर्य और मनोबल को गिराने वाले दुष्ट नेता उधर ऊपर से तो ये लोग भारत को पाकिस्तान के विरुद्ध बदला लेने को कहते दिखाई देते हैं, मगर केवल ऊपरी तौर से, क्योंकि अंदरूनी तौर से ये अपने पाकिस्तानी आकाओं का दिल मोटा करने को ऐसा किया करते हैं।

यह ऐसा ही है कि जैसे घर को आग लग गई घर के चिराग से। ऐसी दुर्भावना वाले बयान दुश्मनों को बहुत भाते हैं। इन लोगों के भारत विरोधी कर्कश बयानों को पाकिस्तानी मीडिया हेडलाइन बनाकर चला रही है। पाकिस्तान अजय राय के बयान को एजेंडे की तरह यूज कर रहा है। पाकिस्तानी मीडिया कह रहा है कि भारत के नेता अपनी ही सरकार और सेना पर सवाल उठा रहे हैं। पाकिस्तान के "शमा टीवी" ने कहा कि भारत के राफेल फाइटर जेट का भारतीय राजनेता ही मजाक बना रहे हैं। अजय राय ने राफेल की तुलना खिलौने से की है। अपने वीडियो बयान में कांग्रेस नेता ने कहा, 'मोदी सरकार ने राफेल विमानों पर नींबू निचोड़ कर रख दिए हैं। अजय राय राफेल फाइटर जेट के खिलौने में नींबू-मिर्ची लगाकर उसका मजाक उड़ा रहे हैं। पाक मीडिया ने अजय राय के राफेल वाले खिलौने के वीडियो को चलाते हुए कहा, "राफेल तैयार है, नींबू-मिर्च बांध के हैंगर में खड़े कर दिए गए हैं। उनका इस्तेमाल कब होगा? भारतीय सियासतदान (राजनेता) सरकार का मजाक उड़ाने लगे हैं। 'इसके साथ ही पाक मीडिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने राफेल को खिलौने बता मजाक उड़ाते हुए कहा कि पूरा देश दहशतगर्दी का शिकार है। राय ने कहा, ''सरकार सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें कर रही है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में जिन लोगों की जान गई, उनके परिजन आज भी यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि सरकार कब इस पर गंभीरता से कोई ठोस कार्रवाई करेगी लेकिन दुर्भाग्यवश सरकार इन गंभीर मसलों पर पूरी तरह विफल साबित हो रही है।'' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार केवल दिखावे की राजनीति कर रही है। कांग्रेस नेता अजय राय ने राफेल का मजाक उड़ाया तो बीजेपी ने कांग्रेस को आड़े हाथों ले लिया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और सांसद, संबित पात्रा ने अजय राय के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस सेना का मजाक उड़ा रही है, उसका मनोबल गिरा रही है, साथ ही बीजेपी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि अजय राय वही भाषा बोल रहे हैं जो पाकिस्तान बोल रहा है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस का ट्रैक सदा से ही पाकिस्तान नवाज और चीन के आगे-पीछे जी हुजूरी करने वाला रहा है।

भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार में कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल ''पांचवें स्तंभ'' बन गए हैं, जो सशस्त्र बलों का मनोबल गिराने का काम कर रहा है। भाजपा ने यह आरोप उस वक्त लगाया जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने एक 'खिलौना राफेल' दिखाकर पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ सरकार की संभावित जवाबी कार्रवाई के संदर्भ में उस पर कटाक्ष किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पाकिस्तानी सेना और 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं के बीच तुलना करते हुए कहा कि पाकिस्तानी सेना संघर्ष विराम का उल्लंघन करके सीमा पार से भारतीय सशस्त्र बलों पर बमबारी कर रही है, जबकि विपक्षी नेता देश के भीतर से ही अपनी टिप्पणियों से उन पर निशाना साध रहे हैं। अजय राय या उनके हिमायतियों से कोई पूछे कि आज वे जिस प्रकार से भाजपा पर अट्टहास कर रहे हैं और उसे धार देने के लिए प्रतीकात्मक तौर पर एक खिलौना विमान से नींबू-मिर्च लटकाकर दिखा रहे हैं, पूरा भारत पहलगाम हमले का बदला लिए जाने का इंतजार कर रहा है, तो मुंबई आतंकी हमलों के बाद मनमोहन सरकार ने सिवाय ठन-ठन गोपाल के कुछ भी नहीं किया।

मोदी ने तो फिर भी पाकिस्तानी आतंकी हमलों के जवाब में दो सर्जिकल स्ट्राइक की थीं। इस में कोई दो राय नहीं कि जंग किसी प्रकार से भी हल नहीं हो सकती, मगर जब प्राणों, आत्मसम्मान और आत्मा पर बन आती है तो जवाब देना आवश्यक हो जाता है। पाकिस्तानी सेना के इशारे पर जिस प्रकार से वहां के आतंकियों ने भारत के निहत्थे मासूम नागरिकों को धर्म पूछ कर क़त्ल किया गया, उसकी इतिहास में मिसाल नहीं मिलती। अत: पाकिस्तान को ऐसा इब्रातनाक सबक़ सिखाना अति आवश्यक है कि आने वाली नस्लें याद रखें।

जंग के लिए तैयार हैं हम

यह सत्य है कि युद्ध अंतिम विकल्प होता है, यह सत्य है कि इससे यथासंभव बचना चाहिए, यह सत्य है कि कलिंग की विभीषिका ने सम्राट अशोक तक को बौद्ध धर्मावलंबी बना दिया, यह सत्य है कि युद्ध तो स्वयं एक समस्या है, इससे समस्याओं का निदान कैसा? यह सत्य है कि अहिंसा अपने आप में बड़ी ऊंची चीज है, परंतु इन सारे सत्यों के बीच यह भी ख्याल आता है कि- राम-रावण युद्ध क्यों नहीं रोका जा सका ? भगवान कृष्ण ने तो बहुत प्रयास किए, पर महाभारत क्यों रचना पड़ा, गुरु गोविंद सिंह, बंदा बहादुर, महाराणा प्रताप, शिवाजी राजे, क्यों इनकी तलवारें मध्य युग में बराबर खनकती ही रहीं, क्यों भारतवर्ष को पाकिस्तान से तीन युद्ध लड़ने पड़े?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार यह संदेश देते रहे हैं कि यह समय युद्ध का नहीं। समूचे विश्व को इस समय युद्ध की नहीं बुद्ध की जरूरत है लेकिन भारत को आत्मरक्षा का अधिकार है। मोदी सरकार का राष्ट्रीय संकल्प यह है कि भारत पहलगाम हमले के आतंकियों को चुन-चुन कर मारेगा। कभी-कभी शांति के लिए युद्ध भी लड़ने पड़ते हैं। शांति के सारे उपाय जब असफल हो जाएं तो तलवार उठाना ही धर्म है। एक शांतिप्रिय देश होने का अर्थ यह नहीं है कि हम पहलगाम हमले पर कोई प्रतिकार न करें। भारत को आतंकवाद पर करारी चोट करनी होगी। ऐसी स्थिति में भारतीय सेना तो पाकिस्तान से युद्ध लड़ने के लिए तैयार है। इस तरह की तैयारी यह संकेत देती है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सिर्फ सैनिकों की ही जिम्मेदारी नहीं है बल्कि आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। आज की युवा पीढ़ी ने युद्ध नहीं देखे। मेरे पिताश्री अश्विनी कुमार जब भी कभी युद्धों की दास्तान सुनाते थे तो वे बताते थे कि जब भारतीय सेनाओं का काफिला सीमाओं की ओर बढ़ता था तो शहर के दोनों ओर सुबह सवेरे ही लोग सैनिकों के स्वागत के लिए खड़े हो जाते थे और उन्हें खाद्य सामग्री, भोजन, फल भेंट करते थे। शहर भारत माता की जय के नारों से गुंजायमान हो उठता था। मेरे पिता मेरे पूजनीय दादा अमर शहीद रमेश चन्द्र के कंधों पर सवार होकर वीर जवानों को सैल्यूट करते थे। युवा पीढ़ी ने न तो ब्लैक आऊट का दौर देखा है और न ही उसने कभी जंग की तैयारियां देखी हैं। युद्धों का दौर देखने वाले लोग जानते हैं कि आम नागरिकों को ऐसे समय में क्या करना है, कब करना है और कैसे संयम बनाए रखना है। युद्ध के दौरान आम नागरिकों की भूमिका से पूरे देश की मजबूती बढ़ जाती है। यह केवल हमले के बाद की प्रतिक्रिया नहीं बल्कि हमले से पहले की जागरूकता का हिस्सा है।

गृह मंत्रालय ने बुधवार को देशभर के 244 चिन्हित सिविल डिफैंस जिलों में एक मॉकड्रिल आयोजित करने का निर्देश दिया है। इसका मकसद यह जांचना है कि जंग जैसे हालात जैसे हवाई हमलों, मिसाइल हमलों के दौरान आम जनता कितनी जल्दी और असरदार तरीके से प्रतिक्रिया दे सकती है।

इस अभ्यास का मकसद अफरा-तफरी से बचाव, घबराहट को कम करना और जानें बचाना है। इस मॉकड्रिल में स्थानीय प्रशासन, सिविल डिफैंस वार्डन, होम गार्ड, एनसीसी, नैशनल सर्विस स्कीम और स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। संवेदनशील इलाकों और संस्थानों में सायरनों का परीक्षण किया जाएगा ताकि आम लोगों को हमले की स्थिति में सतर्क किया जा सके। स्कूलों, दफ्तरों और समुदाय केंद्रों में वर्कशॉप्स आयोजित होंगी जिनमें लोगों को गिरकर छिपने, नजदीकी शरण स्थलों का पता लगाना, प्राथमिक उपचार और मानसिक स्थिति को संभालना सिखाया जाएगा। इसके अलावा अचानक बिजली बंद कर दी जाएगी ताकि रात के समय हवाई हमले की स्थिति में शहर को दुश्मन की नजर से छिपाया जा सके। यह तकनीक आखिरी बार 1971 की बंगलादेश मुक्ति युद्ध के समय इस्तेमाल हुई थी। सामरिक इमारतों जैसे मिलिट्री बेस, संचार टावर और पावर प्लांट को छिपाने के लिए नकाबपोशी की जाएगी ताकि सैटेलाइट या हवाई निगरानी से बचा जा सके। हाई रिस्क इलाकों से लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाने का अभ्यास किया जाएगा जिससे वास्तविक स्थिति में आने वाली रुकावटों को पहचाना जा सके।

दुनिया के कई देशों में नागरिकों के लिए सैन्य प्रशिक्षण अनिवार्य है। इनमें इजराइल, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड, रूस, चीन, नार्वे, ईरान आदि कई देश शामिल हैं। भारत में ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है। भारत के लोग अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं तभी हर संकट की घड़ी में राष्ट्र एकजुट रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उदाहरण हमारे सामने है जिसने 1962 के युद्ध में जवानों की मदद में पूरी ताकत लगाने, सैनिक आवाजाही मार्गों पर ट्रैफिक व्यवस्था सम्भालने, प्रशासन की मदद तथा रसद की सप्लाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1965 के युद्ध में संघ के स्वयंसेवकों ने दिल्ली की ट्रैफिक व्यवस्था को सम्भाला था और कश्मीर की हवाई पट्टियों से बर्फ हटाने का काम भी स्वयंसेवकों ने किया था। आज राष्ट्र को ऐसी ही भावना की जरूरत है। एक नागरिक के तौर पर भले ही आपने युद्ध के मैदान में नहीं जाना लेकिन आपको खुद की और लोगों की रक्षा की लड़ाई में शामिल होना है। हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपनी और दूसरे नागरिकों की सुरक्षा के लिए बुनियादी सिविल डिफैंस तकनीकों का प्रशिक्षण हासिल करें। देश के हर युवा तक यह संदेश पहुंचना बहुत जरूरी है-''हुंकार भर न चीत्कार कर हर घाव का प्रतिकार कर यह जग है तो निर्मम बड़ा तू शत्रु का संहार कर आघात पर प्रतिघात कर तू मात्र न संवाद कर शब्दों की भाषा न समझते उनसे तू संग्राम कर।''

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

हिन्दू जन सेवा समिति द्वारा आयोजित किया गया नेत्र शिविर

राजधानी लखनऊ की काकोरी के श्री शीतला माता मंदिर में हिंदू जन सेवा समिति द्वारा इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल के सहयोग से नेत्र शिविर मै 105 मरीजों का परीक्षण किया गया द्य जिसमें 27 लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किए गए 14 लोगों को चश्मा दिया गया द्य कैंप में नगर ही नहीं दूर-दूर गांव से लोग आकर नेत्र शिविर का लाभ लिया द्य कैंप इंचार्ज सतीश मिश्रा ने जी ने बताया की अब गर्मी और सर्दी का कोई असर मोतियाबिंद ऑपरेशन में नहीं होता है अब आधुनिक मशीनों द्वारा ऑपरेशन किया जाता है द्य इस कैंप में डॉक्टर पंकज वर्मा व कैंप इंचार्ज सतीश मिश्रा व उनकी टीम रही साथ ही समिति के अध्यक्ष प्रज्वल गुप्ता, आदित्य शर्मा, अनुज द्विवेदी, महीन गुप्ता, विशाल सैनी, अनुराग गुप्ता, सनी राठौर, उत्कर्ष तिवारी, दीपांशु वर्मा, विजय गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

पाँच साल का इंतजार पाँच घंटे में हुआ ख़त्म

हरदोई आज जन सुनवाई के के दौरान एक महिला सुनीता देवी जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के समक्ष पहुँची। सुनीता ने बताया कि उनके पति गुड्डू की करीब पाँच वर्ष पहले मौत हो चुकी है लेकिन मृत्यु प्रमाण पत्र अभी तक नहीं बना है। वह टड़ियावां विकास खण्ड के बुधराई गाँव की निवासी हैं। जिलाधिकारी ने तत्काल बीडीओ टड़ियावां से बात की तथा सचिव से वर्चुअल माध्यम से बात कराने के निर्देश दिए। थोड़ी देर में सचिव से बात करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अगले पाँच घंटे में मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर अवगत कराये। जिलाधिकारी में एक पर्ची पर अपना मोबाइल नम्बर भी लिख कर दिया और कहा अगर आज उसके पति का मृत्यु प्रमाण पत्र न मिले तो इस फोन नम्बर पर कॉल करके बता दे। सचिव से भी कहा कि आज प्रमाण पत्र न मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। महिला ने जिलाधिकारी को धन्यवाद दिया।

नन्ही गौरैया को वापस बुलाए, लगाएं कृत्रिम घोंसला रखे दाना पानी

लखनऊ। मेरी प्यारी गौरैया संरक्षण समिति के अध्यक्ष महेश साहू (पंक्षी प्रेमी)द्वारा मोहान रोड स्थित प्राथमिक विद्यालय ग्वालपुर में गौरैया संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम व निबंध, चित्र कला प्रतियोगिता आयोजित की गई । गौरैया के कृत्रिम घोंसले व मिट्टी के पात्र का वितरण किया गया साथ ही सभी को गौरैया संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता व समिति के संरक्षक राजेश उपाध्याय अधिवक्ता उपस्थित रहे। पक्षी प्रेमी महेश साहू ने मुख्य अतिथि राजेश उपाध्याय का पुष्पगुच्छ, भेंट कर सम्मान किया। राजेश उपाध्याय ने कहा कि हम सब को मिलकर नन्ही गौरैया संरक्षण के लिए प्रयास करने होंगे, क्योंकि नन्ही गौरैया एक घरेलू चिड़िया है जो हम सबके बीच रहना चाहती है पर उसके रहने का सुरक्षित स्थान ना होने के चलते गौरैया कि संख्या कम हो गई है।हम सब मिलकर नन्ही गौरैया को वापस बुलाने के लिए छोटा छोटा प्रयास करें। पंक्षी प्रेमी महेश साहू ने कहा कि नन्ही गौरैया हमसे रूठकर कर दूर चली गई है, हम सब मिलकर नन्ही गौरैया को वापस बुलाना है, अपने घरो के बाहर नन्ही गौरैया के कृत्रिम घोंसले लगाएं व इस तपती धूप में कोई पक्षी प्यास से मृत्यु का शिकार ना हो इसके लिए अपनी छतो, घर के बाहर मिट्टी के पात्र में पानी व दाना रखे। इस मौके पर प्रधानाध्यापिका अरूणा गुप्ता, सहायक अध्यापिका अनुष्का गौतम, समाजसेवी सोहनलाल साहू, अवनीश सिंह, सहित छात्र छात्राएं व उपस्थित रहे।

विद्युत मजदूर संगठन ने आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की छंटनी के विरोध में की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

● .....मध्यांचल डिस्कॉम में 30% संविदा कर्मियों की छंटनी के विरोध में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल प्रारंभ

स्वतंत्र प्रभात

विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम द्वारा अचानक 30त्न आउटसोर्स संविदा कर्मियों की छंटनी के विरोध में बुधवार को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल प्रारम्भ की गई। प्रदेश के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के विरोध में जो निर्णय लिया गया है, उसने लगभग 4500 श्रमिकों की आजीविका को गहरे संकट में डाल दिया है। यह निर्णय न केवल गैरकानूनी है, बल्कि उत्तर प्रदेश सरकार की रोजगार नीति और मानवाधिकार मूल्यों का भी खुला उल्लंघन है।

वर्ष 2017 की तुलना में आज प्रदेश में विद्युत खपत लगभग दोगुनी हो चुकी है। केवल मध्यांचल डिस्कॉम में ही उपभोक्ताओं की संख्या 58 लाख से बढ़कर 1 करोड़ 10 लाख हो चुकी है। ऐसे में कार्यभार कई गुना बढ़ने के बावजूद कर्मचारियों की संख्या में कटौती किया जाना पूर्णतः अव्यावहारिक और जनविरोधी कदम है। इस घटनाक्रम के विरोध में विद्युत संविदा मजदूर संगठन उत्तर प्रदेश के प्रभारी पुनीत राय द्वारा बुधवार से लखनऊ स्थित ए. गोरखले मार्ग पर निगम मुख्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल प्रारंभ की गई है। मीडिया प्रभारी विमल चंद्र पाण्डेय ने बताया कि यदि संविदा कर्मियों की छंटनी तुरंत वापस नहीं ली गई, तो यह आंदोलन और भी उग्र रूप लेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी निगम प्रबंधन की होगी।

संदिग्ध स्थित में शव मिलने से मचा हड़कंप अब तक नहीं हो सकी पहचान

निगोहां। निगोहां थाना क्षेत्र के खुदीखेड़ा गांव के एक बाग में संदिग्ध हालात में मिले युवक के शव ने मंगलवार सुबह इलाके में सनसनी फैला दी। नहर किनारे स्थित रामेंद्र तिवारी की बाग में ग्रामीणों ने जब एक युवक की लाश पड़ी देखी, तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अनुज तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन शुरुआती जांच में केवल "हल्के चोट के निशान" की बात कह के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जबकि मृतक की आंख और कलाई पर चोट के साफ निशान मिले हैं, जिससे हिंसा की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता पहले से ही सवालों के घेरे में रही है। आए दिन घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस केवल खानापूर्ति कर मामलों की फाइलें बंद करने में लगी रहती है। मृतक की उम्र 30 से 35 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन चौबीस घंटे से ज्यादा बीत जाने के बाद भी न तो उसकी पहचान हो सकी है और न ही मौत की असली वजह सामने आई है। क्या निगोहां पुलिस किसी बड़ी घटना को दबाने की कोशिश कर रही है? क्या यह मामला सिर्फ एक "सामान्य मौत" है या इसके पीछे कोई रची गई साजिश है? इन सवालों का जवाब देने के बजाय पुलिस "वैधानिक प्रक्रिया" का हवाला देकर जिम्मेदारी से बच रही है लेकिन ग्रामीणों का भरोसा तब तक बहाल नहीं होगा, जब तक पुलिस इस रहस्यमयी मौत की परतें नहीं खोलेगी और दोषियों को बेनकाब नहीं करेगी।

पत्नी की हत्या का सनसनीखेज खुलासा पति गिरफ्तार

● ..प्रेम-प्रसंग में बाधक बनी पत्नी को उतारा था मौत के घाट

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में एक महिला सविता की हत्या का खुलासा पुलिस ने 48 घंटे के भीतर कर दिया है मृतका के पति संजय को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है संजय के अपनी चचेरी साली से अवैध संबंध थे और पत्नी इसमें बाधा बन रही थी। इसी कारण उसने बड़ी ही निर्ममता से साजिश के तहत पत्नी की हत्या कर दी।

दवा लेने के बहाने रची हत्या की साजिश

जांच के अनुसार संजय ने पत्नी सविता से कहा उसे दवा दिलवानी है। इस पर सविता उसके साथ चली गई। लेकिन उसका मकसद इलाज कराना नहीं था, बल्कि पहले से तय साजिश को अंजाम देना था। संजय पहले सविता को गोसाईगंज इलाके के एक तांत्रिक के पास ले गया। वहां कुछ देर रुकने के बाद जब वे लौट रहे थे सुनसान स्थान पर पहुंचते ही संजय ने सविता पर पहले पत्थर से सिर में वार किया और फिर साड़ी से गला कसकर हत्या कर दी। हत्या के बाद संजय मौके से फरार हो गया।

मृतका के पिता ने जताया था हत्या का शक, नामजद कराया था मुकदमा...

मृतका के पिता ने बेटी की हत्या के मामले में पति संजय के साथ-साथ देवर, सास और ससुर के खिलाफ नामजद तहरीर दी थी। पुलिस ने संजय को गिरफ्तार कर लिया, जबकि बाकी तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उनकी भूमिका की गहनता से जांच की जा रही थी पूछताछ के दौरान संजय ने स्वीकार किया कि वह अपनी चचेरी साली से प्रेम करता था, और उसकी पत्नी सविता इसके बीच में बाधा बन रही थी इस लिए मैने उसकी हत्या कर दी।

डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल के पर्यवेक्षण में, एडीसीपी अमित कुमावत व एसीपी रजनीश वर्मा के निर्देशन तथा प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने सघन छानबीन कर आरोपित को दबोच लिया।पुलिस अधिकारी का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है, ताकि किसी भी दोषी को बख्शा न जाए।

नगर पंचायत मोहनलालगंज में राजस्व टीम ने चलाया बुलडोजर, ढहाया अवैध कब्जा

स्वतंत्र प्रभात

विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की मोहनलालगंज तहसील प्रशासन द्वारा अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाते हुए बुलडोजर कार्यवाही के तहत अवैध कब्जा ढहा दिया। बुधवार को नगर पंचायत मोहनलालगंज के मऊ गांव स्थित बंजर भूमि से अवैध कब्जा हटाया गया इस कार्रवाई का नेतृत्व एसडीएम अंकित शुक्ला व तहसीलदार रामेश्वर प्रसाद ने किया राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम मऊ में स्थित गाटा संख्या 2514, क्षेत्रफल 0.0900 हेक्टेयर बंजर भूमि से अतिक्रमण हटवाया।

यह जमीन सार्वजनिक उपयोग हेतु आरक्षित थी, जिस पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया था कार्रवाई के दौरान नगर पंचायत की ओर से अंकुर तथा राजस्व विभाग से लेखपाल सुशील गुप्ता मौके पर मौजूद रहे तहसीलदार रामेश्वर प्रसाद स्वयं स्थल पर पहुंचकर पूरी कार्यवाही की निगरानी की तहसील प्रशासन ने अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसी कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।यह कार्रवाई प्रशासन की अवैध कब्जों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है स्थानीय लोगों ने प्रशासन की तत्परता की सराहना की और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी सरकारी जमीनों को कब्जा मुक्त रखने के लिए इसी प्रकार की कार्यवाही होती रहेगी।

चारा डालने को लेकर शुरू हुआ विवाद बना खूनी संघर्ष

● ....दोनों पक्षों में जमकर चले लाठी डंडे और लोहे के रॉड

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के गोविंदपुर गांव में बीते चार मई की रात पशुओं को चारा डालने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से हमला करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद दोनों ओर से पुलिस को दी गई तहरीरों के आधार पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पृथ्वी पाल पुत्र काशी प्रसाद निवासी ग्राम गोविंदपुर ने अपनी तहरीर में बताया कि बीते चार मई को रात करीब 8 बजे उनके छोटे भाई की पत्नी कांति पशुओं को चारा डालने जा रही थी। तभी गांव के रामसमुझ पुत्र कुंअरधारी, उनकी पत्नी मालती व पुत्री मोनिका ने अचानक हमला कर दिया। मारपीट की सूचना मिलते ही पृथ्वी पाल व उनका छोटा भाई धनिराम बीच-बचाव के लिए पहुँचे, लेकिन विपक्षियों ने उन पर भी लाठी-डंडों से लैस होकर हमला कर दिया। हमले में पृथ्वी पाल को सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, वहीं उनके भाई को हाथ व सीने में चोटें और कांति को भी हाथ में गंभीर चोट लगी। आरोप है कि हमलावरों ने गाली-गलौज करते हुए कहा कि यदि इस घटना की शिकायत थाने में की तो जान से मार देंगे।

रामसमुझ की पत्नी मालती ने अपने पक्ष में दिए प्रार्थना-पत्र में बताया कि रात लगभग 9 बजे वे अपने परिवार के साथ भोजन कर रही थीं, तभी विपक्षी अमरेश पुत्र द्वारिका प्रसाद, धनिराम व पृथ्वीपाल पुत्रगण काशी प्रसाद, हरिशंकर व राकेश पुत्रगण सहजराम, कल्लू पुत्र रामपाल व मंगल प्रसाद आदि ने मिलकर सुनियोजित तरीके से घर में घुसकर हमला किया।

मालती के अनुसार विपक्षियों ने उनकी पुत्री मोनिका के ऊपर धारदार हथियार से वार किया, जिससे उसका सिर फट गया। उनके पति रामसमुझ को लोहे की रॉड व डंडों से पीटा गया, जिससे सिर से खून बहने लगा। पूरा परिवार खून से लथपथ हो गया। जैसे-तैसे 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी गई। दोनों पक्षों द्वारा दिए गए तहरीर में एक-दूसरे पर जानलेवा हमला करने, गाली-गलौज करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव में फिलहाल तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है, लेकिन पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आदमपुर इंद्रवारा प्राथमिक विद्यालय व उप स्वास्थ्य केंद्र में गन्दगी के बीच नौनिहाल पढ़ने व मरीज इलाज कराने को मजबूर

● विद्यालय बना जानवरों का तबेला,

विद्यालय परिसर में दबंग बांध रहे जानवर और डाल रहे गोबर,

कई बार शिकायत करने पर भी नही हुई कार्यवाही,

लगातार घटती जा रही बच्चों की संख्या,

स्वतंत्र प्रभात

काकोरी, लखनऊ। केंद्र और राज्य सरकार जहां एक तरफ स्वच्छता अभियान के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं।वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्राथमिक विद्यालय व उप स्वास्थ केंद्र आदमपुर इंद्रवारा काकोरी में गंदगी के बीच छात्र पढ़ने को मजबूर हैं।विद्यालय परिसर के प्रागंण में कई गहरे गड्ढा है।जिसमें बरसात का गंदा पानी भरा रहता है।जिसमें मच्छर बिच्छू एवं सांपो की भरमार है।विद्यालय के आसपास रहने वाले लोगों के द्वारा परिसर में ही जानवर बांधे जाते हैं और गोबर डाल कर गंदगी फैलाई जा रही है।जो बरसात में पानी के साथ मिलकर विद्यालय के बरामदे में भी यह गन्दगी पहुंच जाती हैं।वहीं एक ग्रामीण ने तो विद्यालय परिसर में ही दीवार का निर्माण कर दिया है।पूरे परिसर में जानवरों के बांधने के खूंटे गढ़े,गोबर के ढेरों का अंबार लगा हुआ है।इतनी गंदगी के बीच देश के नौनिहालों को शिक्षा दी जा रही है।यहां बच्चों का भविष्य बनाया जा रहा है या उनके साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

डीएम से लेकर जनप्रतिनिधियों तक गुहार लगाने पर भी नहीं हुई सुनवाई

अतिक्रमण के संबंध में ग्राम प्रधान सुमित कनौजिया ने बताया की विद्यालय को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए वह पिछले 4 वर्षों से लगातार खंड शिक्षा अधिकारी,खंड विकास अधिकारी,क्षेत्रीय लेखपाल, जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी,एसडीएम सरोजननगर,जिलाधिकारी से लेकर अन्य जिम्मेदार अधिकारियों से भी लिखित शिकायत कर चुके हैं लेकिन फिर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई।जबकि विद्यालय की जमीन सरकारी ग्राम समाज एवं चरागाह की है उसके बाद भी लेखपाल की मिलीभगत से यह अतिक्रमण और बढ़ता जा रहा है।इसके कारण गांव के लोग बहुत नाराज हैं और अपने बच्चों को विद्यालय भेजने से अब मना करने लगे हैं।

विद्यालय की चारदीवारी ना होने पर बढ़ी समस्या

विद्यालय परिसर की बाउंड्री वाल ना होने से कब्जेदारों की लगातार दिन प्रति दिन संख्या बढ़ती जा रही है।लेकिन अधिकारियों की उदासीनता के चलते विद्यालय की जमीन को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया जा सका है।यदि एक बार अतिक्रमण हटवाकर विद्यालय परिसर की चहारदीवारी बनवा दी जाए तो विद्यालय परिसर स्वच्छ एवं सुंदर हो जाएगा।बच्चों को खेलने की जगह भी मिल जाएगी और अवैध कब्जा की समस्या भी समाप्त हो जाएगी।

लगातार कम होती जा रही है बच्चों की संख्या

जुलाई 2023 में प्राथमिक विद्यालय आदमपुर इंद्रवारा में कुल 37 बच्चे नामांकित थे।लेकिन विद्यालय परिसर में गंदगी के चलते कई बच्चों के बीमार हो जाने से अभिभावकों ने अपने बच्चों को विद्यालय भेजना कम कर दिया।जिससे लगातार विद्यालय आने वाले बच्चों की संख्या घटती जा रही है।वर्ष 2024 में 31 रह गई।लेकिन इस वर्ष 2025 अप्रैल में 6 लोगों ने अपने बच्चों का नाम कटवाकर दूसरे स्कूल भेजने का निर्णय ले लिया।विद्यालय में दो टीचर और दो शिक्षा मित्र कार्यरत हैं। ग्राम पंचायत ने कई बार दबंगों को जारी किया नोटिस* ग्राम आदमपुर इंद्रवारा के प्राथमिक विद्यालय व उप स्वास्थ्य केंद्र के प्रांगण से जानवर बांधने और गोबर डालने वाले दबंगों को कई बार ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा लिखित रूप से अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किया जा चुका है।लेकिन प्रशासन से सहयोग न मिलने से आजतक दबंगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया।

हरदोई में मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान, एसपी नीरज कुमार जादौन ने पढ़ाया अनुशासन और ट्रैफिक नियमों का पाठ

● श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में आयोजित हुआ अभिनंदन समारोह, ट्रैफिक रूल्स गीतों से गूंजा विद्यालय परिसर

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई के मंगली पुरवा फाटक स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में बुधवार को एक प्रेरणादायी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा, हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 2025 तथा ट्रैफिक रूल्स पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन रहे, जिन्होंने मेधावी बच्चों को प्रशस्ति पत्र, शील्ड एवं मेडल प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारत माता के जयघोष के साथ शुरू किए अपने संबोधन में एसपी श्री जादौन ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नियमित अध्ययन और संस्कारों का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि "बिना बहानेबाज़ी के नियमित स्कूल आना और पढ़ाई में निरंतरता ही सफलता की कुंजी है।" उन्होंने ट्रैफिक नियमों का पालन करने की प्रेरणा देते हुए बताया कि हेलमेट और सीट बेल्ट न सिर्फ कानून का पालन हैं बल्कि जीवन सुरक्षा की ढाल हैं। उन्होंने 'जान है तो जहान है' जैसे संदेशों के माध्यम से बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम में छात्रा अपूर्वा सिंह व जिज्ञासा सिंह ने ट्रैफिक नियमों पर प्रभावशाली वक्तव्य व कविता प्रस्तुत की,। बच्चों द्वारा "रेड रुको, येलो रेडी, ग्रीन चलो" गीत ने उपस्थित जनसमूह को ट्रैफिक संकेतों के प्रति सजग किया। बच्चों ने स्वागत गीत के माध्यम से मुख्य अतिथि का अभिवादन कर वातावरण को आत्मीयता से भर दिया।समारोह में बच्चों का आत्मविश्वास, संस्कार और सुरक्षा के प्रति सजगता देखने को मिली, जो जनपद की उज्ज्वल और सुरक्षित भावी पीढ़ी का संकेत है।इस अवसर पर भाजपा नेता मुकुल सिंह आशा, विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह, प्रधानाचार्य भूमिका सिंह, लक्ष्मी देवी सहित शिक्षिकाएँ कविता गुप्ता, अर्पिता सिंह, मंशा बाजपेई, आरती वर्मा, सोनी तिवारी, प्रज्ञा त्रिवेदी, ऐश्वर्या सिंह, कोमल यादव, आरती मिश्रा, वर्तिका शुक्ला, राखी गुप्ता, शिवांगी गुप्ता, विनीता त्रिवेदी, निकिता वर्मा , मानसी मिश्रा, करिश्मा वर्मा, शालिनी पाल, रंजना , राम प्रकाश पांडे, संजय कुमार गुप्ता, अभिनव सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन संस्थापक अखिलेश सिंह ने किया।

पाली थाना पुलिस ने 4 चोरी की घटनाओं का किया खुलासा

● नगदी और चोरी के माल सहित दो शातिर चोर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई। पाली थाना पुलिस ने कस्बा स्थित एक दुकान से हुई चोरी सहित चार चोरी की घटनाओं का बुधवार को खुलासा किया। पुलिस ने दो शातिर चोरों को भी गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 17 हजार रुपए की नगदी और चोरी का सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया।

बीती 5 मई की रात को पाली कस्बे के मोहल्ला बाजार स्थित एक दुकान से सामान चोरी हो गया था, पुलिस ने दुकानदार की तरह के आधार पर मुकदमा पंजीकृत करके जांच शुरू की। जांच के दौरान प्रकाश में आए इकराम पुत्र अब्दुल सलाम निवासी मोहल्ला काजी सराय कस्बा पाली, अरशद अली पुत्र वाहिद अली निवासी रहीस नगर थाना ठाकुरगंज लखनऊ को गिरफ्तार किया। जिनके पास से विभिन्न चोरियों से संबंधित 17 हजार रुपए की नगदी, पान मसाला और सिगरेट के पैकेट बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने उपरोक्त चोरी के अलावा 2 जुलाई 2024 को ग्राम बेसिलिया में एक घर से आभूषण और नगदी चोरी करने की बात कबूली। इसी तरह 25 अगस्त 2024 की रात को शाहाबाद क्षेत्र के मलकापुर गांव में चोरी करना भी स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि 5 जुलाई 2024 की रात को पचदेवरा थाना क्षेत्र के अनंगपुर में एक घर से भी उन्होंने ही नगदी और जेवरात चोरी किए थे। थानाध्यक्ष सोमपाल गंगवार ने बताया कि अरशद अली के खिलाफ जनपद लखनऊ के अलग-अलग थानों में पहले से ही चार मुकदमें दर्ज हैं। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष स्वयं, उपनिरीक्षक विशाल तिवारी, विक्रांत चौधरी हेड कांस्टेबल सुरेंद्र शर्मा, कांस्टेबल गुरजीत सिंह, सौरभ शर्मा शामिल रहे।

चोरों ने दो घरों को बनाया निशाना, लाखों के गहने किये पार

स्वतंत्र प्रभात

कछौना, हरदोई। थाना क्षेत्र कासिमपुर के अन्तर्गत ग्रामसभा मुसलमानावाद में मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने घरो में चोरी की घटना को अंजाम दिया। लाखो रुपये के जेवर चोरी कर घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अज्ञात चोरो के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है। पूरे मामले का खुलासा हेतु टीम गठित की गयी।

थानाक्षेत्र कासिमपुर के ग्रामसभा मुसल?मानावाद में अज्ञात चोरो ने दूध डेयरी संचालक मंजेश कुमार यादव व मोतीलाल वर्मा के यहां चोरों ने ताला को कटर से काटकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। जिसमे मंजेश यादव के घर से एक सोने का हार कीमत एक लाख रुपये व एक जोडी झुमकी कीमत 50 हजार रुपये, माँगबेदी, दो अंगूठी सोने की, कमर बिहुआ, पायल, बिछिया सहित कीमती जेवर चोरी कर ले गये। मंजेश यादव के भाई कौशल की शादी वुधवार को तय थी, सभी तैयारियां चल रही थी। रिश्तेदार व परिवार के लोग नए मकान पर रुक गए। पुराने घर में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। इस घटना से परिवार में भय व्याप्त हो गया। वैवाहिक कार्यक्रम की खुशियां काफूर हो गई। इसके बाद गांव के मोतीलाल वर्मा के घर में चोरी की घटना को चोरों ने अंजाम दिया। गांव वालों ने चोरी की आहट सुनकर चीखपुकार करने से चोर कर भाग गए। पीड़ित परिवारों की लिखित शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। प्रभारी निरीक्षक आदित्य मौर्य ने चौकी इंचार्ज के नेतृत्व में टीम गठित कर चोरी का खुलासा हेतु लगा दिया हैं।

काकोरी कोतवाली पुलिस ने किया पैदल गश्त

स्वतंत्र प्रभात

काकोरी। कोतवाली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और जनता को सुरक्षा का एहसास दिलाने के लिए कस्बे में पैदल गश्त की। काकोरी पुलिस ने पैदल गश्त का आयोजन सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने,कानून और व्यवस्था बनाए रखने और आम लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाने के लिए किया था।

पैदल गश्त के दौरान,पुलिस बल ने सार्वजनिक स्थानों,भीड़-भाड़ वाले इलाकों और मुख्य सड़कों पर भ्रमण किया और जागरूकता बढ़ाई और पुलिस ने असामाजिक तत्वों के प्रति सख्त हिदायत दी। पुलिस की पैदल गश्त से लोगों में सुरक्षा का एहसास हुआ और असामाजिक तत्वों में हड़कंप मचा। पैदल गश्त के दौरान प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार राठौर, कस्बा चौकी प्रभारी राजबहादुर सिंह, निरीक्षक अंकित सिंह, ओमहरी, राजकुमार, दीवान नवीन कुमार, कॉस्टेबल अनुराग, रवींद्र, नवीन महिला कांस्टेबल मोनिका सिंह, पूजा सिंह, अनीता सहित सभी कोतवाली पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

नवागत सीईओ का जनपद अधिकारियों सहित सचिव एवं रोज़गार सहायकों ने किया स्वागत

शहडोल। स्थानीय जनपद पंचायत बुढार में पदस्थ नवागत मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजीव लघाटे का जनपद पदाधिकारियों सहित सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक संगठन ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किये है, इस दौरान नवागत मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि शासन की महत्वपूर्ण योजना, जल गंगा संवर्धन अभियान एवं समग्र ई केवायसी की कार्यों पर विशेष ध्यान दें, जिससे शासन की योजना फलीभूत हो। इस अवसर पर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा दिवाकर सिंह, सहायक यंत्री बुद्धमान पेड़ो, रामजस पटेल, शरद वर्मा, अजय शुक्ला देवेन्द्र गौतम गोविद चौधरी दिलीप पैकरा, राजेंद्र सूर्या, दीपक पटेल, संजीव तिवारी, विकास चौधरी, विकाश वर्मन, सहित जनपद के कई सचिवो व सहायक सचिवों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

बैनर में एमएलसी का नाम न होना डीएम ने लिया संज्ञान, उप निर्देशक मंडी को भेजा पत्र

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डॉक्टर राजा गणपति आर ने शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी का लोहिया कला भवन में मंगलवार को आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम में बैनर में नाम न होने पर उप निदेशक मंडी बस्ती मंडल को बुधवार को एक पत्र जारी करके जबाव तलब किया है। लोहिया कला भवन में मंगलवार को एक सरकारी कार्यक्रम में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान कृषि विपणन दिनेश प्रताप सिंह आए थे और मंच के पीछे बैनर में शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी का नाम अंकित नहीं था जबकि कार्यक्रम में आमंत्रित रहे। कार्यक्रम में पहुंचने पर शिक्षक विधायक ने बैनर पर चित्र और नाम न देखकर नाराजगी व्यक्त की थी और उसे विशेषाधिकार के हनन बताते हुए इस मामले को सदन में उठाने की बात प्रेस वार्ता के माध्यम से की थी। इस पर बुधवार को जिलाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए तीन दिन में संबंधित जिम्मेदार से स्पष्टीकरण मांगा है। डीएम द्वारा उप निदेशक मंडी को भेजे गए कारण बताओ नोटिस में लिखा गया है की यदि तीन कार्य दिवस में संबंधित मामले में स्पष्टीकरण नही दिया गया तो यह माना जायेगा की उन्हे कुछ नही कहना है और आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

चामुंडा घाट पर यमुना में मिला युवक का शव

करीब 30 वर्षीय मृतक की नहीं हुई पहचान, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम गृह भेजा

मथुरा। वृन्दावन थाना कोतवाली इलाके के चामुंडा घाट के समीप यमुना नदी में अज्ञात युवक का शव उतराता मिला है, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भेज कर पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास में जुटी है। अद्धा पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत वृंदावन पानी गांव मार्ग स्थित चामुंडा घाट के समीप बुधवार सुबह करीब 10 बजे एक अज्ञात युवक का शव यमुना नदी में उतराता दिखाई दिया। शव मिलने की जानकारी लगते ही मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची इलाका पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवा कर कब्जे में ले लिया। अद्धा चौकी प्रभारी कुलवीर तरार ने बताया मृतक गहरे रंग की कैफरी पहने हुए हैं। सब एक दिन पुराना प्रतीत हो रहा है आसपास के लोगों को दिखाने पर भी शिनाख्त नही हो सकी। शव को पोस्टमार्टम गृह भिजवाकर मामले की जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, ससुरालियों पर हत्या का आरोप

सिद्धार्थनगर। खेसरहा थाना क्षेत्र के बसखोरिया गाँव में संदिग्ध परिस्थितियों में 27 वर्षीया विवाहिता की मौत का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। सूचना पर फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष चन्दन कुमार ने भी मौका मुआयना किया। मौके पर चौकी प्रभारी जगत नरायन यादव भी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। मिली जानकारी के अनुसार बरेली के सिविल लाइन निवासी स्व0 राम खेलावन मिश्रा की पुत्री कल्पना मिश्रा की शादी पांच वर्ष पूर्व बसखोरिया निवासी अमरेश चंद दूबे के बड़े पुत्र मनीष दूबे के साथ हुई थी। घटना की सूचना पर बरेली से देर शाम बसखोरिया पहुंचे मृतका के मायके वाले शव को देख विलाप करने लगे। मृतका की माँ व साथआए अन्य रिश्तेदार महिलाओं के करुण क्रन्दन को सुन हर किसी का मन भारी हो गया। मायके वालों ने मृतका के पति मनीष दूबे व उनके परिजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग किया। इस संबध में थानाध्यक्ष चन्दन कुमार ने कहा कि लिखित तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आगे की कार्यवाही की जाएगी। समाचार भेजे जाने तक पुलिस पंचनामा आदि की कार्यवाही में जुटी रही।

शहर के अतिक्रमण पर नगर आयुक्त के सख्त हुए तेवर

● भैंस बहोरा क्षेत्र में नाले पर अतिक्रमण देख चौंक गये डीएम

नगर आयुक्त के साथ जिलाधिकारी ने क्षेत्र में किया पैदल भ्रमण

नाले में पानी के प्रवाह में जहां भी रुकावट है उसे किया जाएगा दूर

स्वतंत्र प्रभात

भैंस बहोरा क्षेत्र में नालों को देखते जिलाधिकारी एवं नगर आयुक्त।

मथुरा। वर्षा ऋतु से पूर्व नगर निगम द्वारा बृहद अभियान चलाकर नाला सफाई का कार्य कराया जा रहा है। जिसके दृष्टिगत नगर निगम टीम के द्वारा नगर आयुक्त शशांक चौधरी के निर्देशन पर विशेष अभियान चलाकर नालों के ऊपर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए नाला सफाई का कार्य कराया जा रहा है। कार्यों का नगर आयुक्त द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को जिला अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने नगर निगम टीम के साथ भैंस बहोरा क्षेत्र में स्थित मुख्य नाले की साफ सफाई, अतिक्रमण आदि व्यवस्थाओं का पैदल भ्रमण कर सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी एवं नगर आयुक्त द्वार भैंस बहोरा नाले के सभी चोक पॉइंट्स तथा नाले से जुड़े हुए सभी मार्गों का पैदल भ्रमण कर नाले के ऊपर किए गए अतिक्रमण नाले की सफाई, जल निकासी, नाले की चौड़ाई गहराई आदि सभी स्थिति का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कुछ स्थानीय लोगों द्वारा नाले के ऊपर स्लैब तथा पटिया डालकर अतिक्रमण किया गया है।

स्थानीय लोगों से स्वतः अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया है। अतिक्रमण नहीं हटाने की स्थिति में नगर निगम टीम को अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल बाबू गर्ग, सहायक अभियंता निर्माण श्री शशांक सिंह, सफाई निरीक्षक राजकुमार लवानिया आदि उपस्थित रहे।

केआर कॉलेज वाले नाले के लिए प्रोजेक्ट होगा तैयार

डीएम ने निर्देश दिए हैं कि जिस जिस जगह से नाला संकरा है उसे चौड़ा कर रिटेन वॉल बनाने की कार्यवाही की जाए। साथ ही केआर गर्ल्स डिग्री कॉलेज से कैलाश नगर मोड़ तक नाले को सुव्यवस्थित करने के लिए प्रोजेक्ट के लिए प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। जिससे नाले में पानी का बहाव सुगमता से हो सके। इसके अतिरिक्त के.आर गर्ल्स डिग्री कॉलेज के पास स्थिति कूड़ा स्थल के लिए स्थानीय निवासियों को कूड़ा डालने के लिए दो कूड़ा गाड़ियों को खड़ी करने तथा कूड़ा स्थल को सौंदर्यीकरण कराने के लिए निर्देश दिए गए।

समस्तीपुर में कॉलेज फॉर्म भरने गई बीए की छात्रा 6 दिन से लापता

समस्तीपुर में एक छात्रा के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। वारिसनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली 20 वर्षीय तामजिद प्रवीण 2 मई की सुबह अपने कॉलेज एसएमआरसी में परीक्षा फॉर्म भरने निकली थी। परिजनों के अनुसार दोपहर तक उसकी मोबाइल पर बातचीत होती रही। उसने बताया था कि वह घर लौट रही है और मुक्तापुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही है। उसके साथ उसकी सहेली कोमल भी मौजूद थी। लेकिन इसके बाद तामजिद का फोन अचानक बंद हो गया और तब से उसका कोई पता नहीं चला है। परिजनों ने तुरंत वारिसनगर थाने में जाकर मामला दर्ज कराया और आशंका जताई कि उनकी बेटी का अपहरण किया गया है। तामजिद की मां हुस्नो बेगम ने बताया कि कोमल ने एक मोबाइल नंबर का जिक्र किया था, जिससे तामजिद किसी युवक से बातचीत करती थी। शक की सुई अब उसी युवक की ओर है। परिजनों का आरोप है कि कोमल युवक की पहचान छिपा रही है और पुलिस से भी पूरी जानकारी साझा नहीं कर रही है। तामजिद के मामा मोहम्मद जमील ने कहा कि लड़की के गायब होने के बाद से संदिग्ध मोबाइल नंबर भी लगातार बंद आ रहा है, जिससे संदेह और गहरा गया है। सदर एसडीपीओ विजय महतो ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। प्राथमिक जांच में यह प्रेम प्रसंग का मामला प्रतीत हो रहा है, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए तफ्तीश जारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि छात्रा की जल्द बरामदगी होगी।

693 ग्रामीणों ने उठाया हरे कृष्णा मूवमेंट के स्वास्थ्य शिविर का लाभ'

● रामताल, बाटी, मघेरा, भरतिया और परखम गुर्जर के ग्रामीणों को मिला चिकित्सा सुविधा का लाभ

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा हरे कृष्ण मूवमेंट, जो वर्ष 2008 से ब्रज क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय है, ने ''स्वस्थ ब्रज'' अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। यह शिविर बुधवार को ग्राम परखम गुर्जर में हरे कृष्ण मूवमेंट, केशव माधव चिकित्सालय और एम्स, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें 167 ग्रामीणों ने भाग लिया और अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान हेतु चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। संस्था के मीडिया प्रभारी अभिषेक मिश्रा ने बताया कि मार्च के प्रथम सप्ताह से लेकर अब तक हरे कृष्ण मूवमेंट द्वारा ब्रज क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों ग्रामीणों का उपचार करती चिकित्सकों की टीम।

रामताल, बाटी, मघेरा, भरतिया और परखम गुर्जर में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया है। इन शिविरों के माध्यम से अब तक कुल 693 ग्रामीणों को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा परामर्श व निःशुल्क दवाइयों की सुविधा प्रदान की जा चुकी है। केशव माधव चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संदीप ने जानकारी दी कि संस्था का लक्ष्य आगामी तीन महीनों में प्रति सप्ताह नियमित चिकित्सा शिविरों का आयोजन करना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर रोगों की समय पर पहचान और उचित उपचार सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि इस शिविर के माध्यम से युवाओं को नशामुक्ति के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। परखम गुर्जर में आयोजित इस शिविर में एम्स, दिल्ली के डॉ. दीपिका मिश्रा, डॉ. तनुराग और डॉ. भरत, केशव माधव चिकित्सालय के डॉ. सौरभ रॉय, डॉ. सोमेश चौहान, सुनीता जी, केडी मेडिकल एवं केडी डेंटल से डॉ. शशांक, डॉ. देवरा, डॉ. निधि और डॉ. दीक्षा ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं।

अच्छे सिविल स्कोर वाले खातों पर साइबर अपराधियों की नजर

● आपके कागजात होंगे और दूसरे का फोटो आसानी से मिल जाता है लोन

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। अच्छे सिबिल स्कोर वाले बैंक अकाउंट अब साइबर ठगों के निशाने पर हैं। आपके कागजात होंगे और फोटो किसी और का। सिविल अच्छी होने के चलते आसानी से लोन पास हो जाता है। थाना साइबर पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी तरीके से फाइनेंस कम्पनी से ऑनलाइन लोन लेने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। साइबर थाने पर पंजीकृत पंजीकृत कराये गये धोखाधडी के मामले में पुलिस ने यह कार्यवाही की है। घटना में प्रकाश में आये अभियुक्त यतीन्द्र कुमार पुत्र स्व. नरेन्द्र पाल निवासी हाल पता शम्भू नगर एटा रोड थाना टूंडला जनपद फिरोजाबाद स्थाई पता ग्राम रामपुर थाना एका जनपद फिरोजाबाद उम्र 56 वर्ष 2.शिवम पुत्र यतीन्द्र कुमार निवासी हाल पता शम्भू नगर एटा रोड थाना टूण्डला जनपद फिरोजाबाद स्थाई पता ग्राम रामपुर थाना एका जनपद फिरोजाबाद उम्र 28 वर्ष को टूंडला फिरोजाबाद किराये के मकान के पास से गिरफ्तार किया गया। 22 फरवरी 2025 को इस संबंध में साइबर थाने पर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें अज्ञात द्वारा बजाज फाइनेंस कम्पनी से यतीन्द्र कुमार निवासी तारीनपुर सीतापुर के नाम पर 5,22,232 रूपये का फर्जी तरीके से लोन लेना बताया गया।

प्रार्थना पत्र के आधार पर विवेचना प्रारम्भ की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों का एक ग्रुप है जिसमें काफी सारे सदस्य हैं। ये लोग बैंकिंग या लोन सेक्टर में ही काम करते हैं जिस कारण बैंकिंग और लोन डिपार्टमेंट की अच्छी जानकारी है। ये लोग पहले लोगों का डेटा इकठ्ठा करते है जैसे कि पैन कार्ड, आधार कार्ड आदि जिसके बाद उन व्यक्तियों के सिबिल स्कोर चेक करते है। जिन व्यक्तियो के सिविल स्कोर अच्छे होते है उन व्यक्तियो के पैन नम्बर और आधार नम्बर का प्रयोग कर फर्जी आधार कार्ड व पैन कार्ड तैयार करते है जिसमे पिता का नाम, पता सब फर्जी होता है और फोटो इन्हीं के किसी साथी का होता है उसके बाद उन दस्तावेज के आधार पर फर्जी बैक खाते खुलवाए जाते है और उनकी पास बुक मे फर्जी एन्ट्री कर मोटी लेन देन दिखाई जाती है जिसे देख बैंक आसानी से लोन दे देते है बड़े लोन के लिए फर्जी आईकार्ड जैसे कि प्रधान अध्यापक, सरकारी अधिकारी, आर्मी अफसर आदि भी तैयार करते है। लोन आवेदन के बाद लोन का पैसा अपने खातो मे ट्रांसफर कर लेते है। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल थाना साइबर क्राइम, निरीक्षक प्रमोद कुमार थाना साइबर क्राइम, एसआई आशीष मलिक थाना साइबर क्राइम, एसआई मोहित वर्मा थाना साइबर क्राइम मथुरा आदि थे।

साइबर ठगी में पकडे गये दोनो आरोपि।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु का ऐतिहासिक प्रयास, बुद्ध से संबंधित पूरावशेषों की नीलामी रोकी गई

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु की कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने कहा कि विश्विद्यालय द्वारा किए गए महत्वपूर्ण एवं समर्पित प्रयासों के फलस्वरूप महात्मा गौतम बुद्ध से संबंधित महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पूरावशेषों की नीलामी को रोका गया है। यह प्रयास विशेष रूप से सिद्धार्थनगर परिक्षेत्र और संपूर्ण भारत के लिए सांस्कृतिक आत्मगौरव का विषय है। उन्होंने इस घटना के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रखते हुए बताया कि यह पूरावशेष जनवरी 1898 में बर्डपुर (सिद्धार्थनगर) के तत्कालीन जमींदार विलियम क्लॉस्टन पेपे की देखरेख में हुई खुदाई के दौरान पिपरवा स्तूप से प्राप्त हुए थे। इस खुदाई में लगभग 20 फीट नीचे से 700 किलोग्राम वज़न वाला एक पत्थर का बॉक्स मिला था, जिसमें लगभग 1800 मनके पाए गए थे। इनमें से 331 मनके विलियम पेपे को प्रदान किए गए, जिन्हें वे इंग्लैंड ले गए थे। पेपे की चौथी पीढ़ी, क्रिप्स पेपे, ने इन पूरावशेषों को हांगकांग की विख्यात नीलामी संस्था सोतबीज़ के माध्यम से 7 मई 2025 को नीलाम करने की योजना बनाई थी।

कुलपति ने बताया कि जैसे ही यह सूचना सिद्धार्थ विश्वविद्यालय को प्राप्त हुई, विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के शिक्षक डॉ. शरदेंदु त्रिपाठी तथा उर्दू विभाग के डॉ. बाल गंगाधर एवं विद्यार्थियों ने जनप्रतिनिधियों और मीडिया के साथ मिलकर इस विषय पर तत्परता दिखाई। उन्होंने भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एवं अन्य संबंधित संस्थाओं को पत्र एवं ईमेल के माध्यम से सूचित कर इस नीलामी को रोकने की मांग की। इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम यह हुआ कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने इस मुद्दे पर गंभीरता दिखाते हुए सोतबीज़ और क्रिप्स पेपे को कानूनी नोटिस जारी किया, जिसके पश्चात 7 मई को होने वाली नीलामी स्थगित कर दी गई।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने विभाग के शिक्षकों, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे क्षेत्र के आत्मसम्मान एवं सांस्कृतिक गौरव की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने यह भी कहा कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, जो राजकुमार सिद्धार्थ (बाद में गौतम बुद्ध) के नाम पर स्थापित है, की नैतिक जिम्मेदारी है कि ऐसे अमूल्य पूरावशेषों को भारत वापस लाया जाए।

कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने यह भी अवगत कराया कि वर्ष 1898 की खुदाई में प्राप्त पाँच अस्थिकलश, जो इस समय कोलकाता के नेशनल म्यूज़ियम में सुरक्षित हैं, उन्हें भी कपिलवस्तु स्थित राजकीय संग्रहालय में लाने का प्रयास किया जाएगा। इससे न केवल क्षेत्रीय धरोहर का पुनर्स्थापन होगा, बल्कि विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को अध्ययन एवं शोध का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा। साथ ही, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के सहयोग से महात्मा बुद्ध के जीवन एवं दर्शन पर आधारित सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने की योजना बना रहा है। इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए अध्ययन, शोध और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। यह प्रयास न केवल अतीत की धरोहर को सुरक्षित रखने की दिशा में एक सशक्त पहल है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भारत की सांस्कृतिक गरिमा से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी सिद्ध होगा।

रेलवे फाटक बंद हो गया तो कटरा बाजार से कट जाएंगे ग्राहक

● कटरा बाजार रेलवे फाटक बचाने को व्यापारियों ने बनाई संघर्ष समिति

स्वतंत्र प्रभात

रेलवे फाटक लेकर रणनीति तैयार करते लोग।

मथुरा। राया में पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा कस्बे के मुख्य बाजार कटरा रेलवे फाटक को बंद करने की जानकारी होते ही कस्बावासी एक जुट हो गए है। जिसके लिये मंगलवार की सायं व्यापारियों की एक बैठक रेतिया बाजार स्थित विहारी जी मंदिर पर आयोजित की गयी जिसमे लोगो ने रणनीति बनाकर राया बचाओ संघर्ष समिति का गठन किया गया। जिसके बैनर तले लोग सांसद हेमामालिनी, जिलाधिकारी मथुरा, रेलमंत्री, क्षेत्रीय विधायक, अन्य सम्बंधित अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। बैठक में व्यापारियों ने कहा अगर रेल प्रसाशन हमारी मांगे नही मानता है तो राया बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले लोग बाजार बंद के साथ आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। बताते चले फाटक बंद होने से कस्बे में निकलने वाली शोभायात्राये , प्रभात फेरिया, ताजिये जुलूस, रामबारात आदि इसी कटरा बाजार से होकर निकलते है। फाटक बंद होने से लोगो को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा वही बाजार के अंदर कोई आगजनी की अनहोनी घटना घटित हो जाये तो उनका बचाब किस प्रकार से होगा। इस सम्बंध में गुरुवार को राया बचाओ संघर्ष समिति जिलाधिकारी मथुरा चंद्रप्रकाश सिंह से मुलाकात करेगी। इस दौरान चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल पूर्व चेयरमैन राकेश शर्मा पं अरविंद शर्मा भूपेश अग्रवाल पवन अग्रवाल मदन अग्रवाल विकास चौधरी रामलीला कमेटी अध्यक्ष अभिषेक पाराशर मन्कामेश्वरी मेला कमेटी अध्यक्ष विशाल पाराशर , महा बाघेश्वरी मेला कमेटी के शौरभ गर्ग अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राकेश बंसल आदि मौजूद प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पेट्रोलियम पदार्थों की कालाबाजारी में दो गिरफ्तार

● दो टेंकर, 300 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ बरामद

बीपीसीएल डिपो से 300 मीटर दूरी पर किया गया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

थाना रिफाइनरी में दोनों पकडे गये आरोपित।

मथुरा। पेट्रोलियम पदार्थ की कालाबाजारी में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। थाना रिफाइनरी क्षेत्र से दो टैंकर पकड़े हैं और 300 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ बरामद किया है। पूर्ति निरीक्षक मुख्यालय मथुरा की टीम के साथ मिल कर थाना रिफाइनरी पुलिस ने कार्यवाही की। पांच मई को करीब पौने दस बजे चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर बीपीसीएल डिपो से 300 मीटर दूरी पर पुलिस को यह कामयाबी मिली। अभियुक्त योगेश पुत्र नेत्रपाल निवासी बरौली थाना जबां जनपद अलीगढ़ (उम्र 35 वर्ष) व देवेन्द्र पुत्र बल्लू निवासी महरौली थाना गोवर्धन जनपद मथुरा (उम्र 20 वर्ष) को एक टैंकर पैट्रोलियम पदार्थ भरा हुआ (वाहन संख्या यूपी 85 ईटी 6568), टैंकर संख्या यूपी 85 ईटी 8519 खाली, 8 जरिकेन में लगभग 300 लीटर पैट्रोलियम पदार्थ व टैंकर से तेल निकालने के लिए एक कीप एवं एक प्लास्टिक पाईप जिसकी लम्बाई पांच मीटर के साथ गिरफ्तार किया गया। थाना रिफाइनरी पर धारा 3, 7 ईसी एक्ट के में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी है। कार्यवाही करने वाली टीम में शांति स्वरूप पूर्ति निरीक्षक मथुरा (मुख्यालय), फूल सिंह यादव क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मथुरा, थानाध्यक्ष अजय वर्मा थाना रिफाइनरी, एसआई अखिलेश कुमार थाना रिफाइनरी आदि शामिल थे।

शहर से गांव तक गूंजे भारत माता के जयकारे

● जगह जगह अतिषबाजी की गई, मिठाई बांटी गईं

स्वतंत्र प्रभात

तिरंगा झंडा लेकर सडक पर निकले लोग।

मथुरा। बुधवार की सुबह जोश और जुनुन से लबरेज थी। हर चेहरे पर जोश साफ दिख रहा था। लोग एक दूसरे को बता रहे थे कि रात भारतीय सेना ने किस तरह पराक्रम किया। हर जगह सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा थी। जगह जगह आतिशबाजी की गई, लोगों ने मिठाई खिलाकर खुशियां मनाईं। राया में क्षेत्रीय लोगों ने हाथरस मथुरा मार्ग नेहरू पार्क पर जमकर आतिशबाजी चलायी। पाकिस्तान मुर्दाबाद भारत माता की जय के नारे लगाए। आतिशबाजी चलाकर हर्ष व्यक्त किया। इस दौरान भाजपा के मंडल अध्यक्ष रामकुमार उपाध्याय राकेश बंसल मोहन नारायण अग्रवाल पवन अग्रवाल मनोज नागर विकास चौधरी अंकुर देवा प्रधान प्रमोद कुमार नितेश पाठक गोविंद सिंह मनोज शर्मा चौधरी शेखर सिंह अफजल , आदि मौजूद रहे। वृंदावन में व्यापारियों ने नगर की अनाज मंडी में नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने एकत्रित होकर हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए भारतीय सेना को सलाम करते हुए हर्ष व्यक्त किया। वहीं इस मौके पर पदाधिकारियों के द्वारा आतिशबाजी और मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। इस मौके पर विस्तृत जानकारी देते हुए व्यापार मंडल के अध्यक्ष आलोक बंसल और चेयरमैन धनेंद्र अग्रवाल बॉबी ने बताया कि आज हर हिंदुस्तानी के लिए बहुत ही गर्व का विषय है। इस मौके पर लक्ष्मी नारायण दीक्षित, आनंद गुप्ता, भीमसेन अग्रवाल, चंद्र प्रकाश अग्रवाल, बालकिशन वार्ष्णेय, लक्ष्मी नारायण सैनी, मुकेश शर्मा, वीरेंद्र सिंह सिसोदिया आदि मौजूद रहे। मथुरा में होली गेट पर लोगों ने जश्न मनाया। सोशल मीडिया पर लोग एक दूसरे को बधाई देते रहे।

छिनैती करने वालों की दो स्थानों पर मथुरा पुलिस के साथ मुठभेड़

● वृंदावन और गोवर्धन थाना क्षेत्रों में हुई पुलिस मुठभेड़

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। एसओजी टीम व थाना गोवर्धन पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में गोवर्धन में श्रद्धालु महिला से पर्स लूटने की घटना को अंजाम के आरोपी लुटेरे को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मई को हेमा पत्नी मनोज निवासी केलकर रोड वर्धा महाराष्ट्र के पर्स को गोवर्धन परिक्रमा मार्ग से दो अज्ञात बाइक सवार द्वारा छीन लिया गया था। जिसके संबंध में थाना गोवर्धन पर मुकदमा पंजीकृत हुआ था। बुधवार को यह घटना कारित करने वाले अभियुक्त मोहन उर्फ मोहित पुत्र नारायण कटड़ा थाना कोतवाली डींग जिला डिंग राजस्थान व एक बाल अपचारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। अभियुक्त के दाहिने पैर में गोली लगी है, जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय भेजा गया है। पुलिस के साथ मुठभेड नीम गांव चौराहा डिंग रोड थाना गोवर्धन पर हुई। इसके कब्जे से छीना गया फ़ोन, 2200 रुपये, पर्स असलाह कारतूस व लूट में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है। गिरफ्तार अभियुक्त को इलाज के लिए चिकित्सालय भेजा गया। दूसरी मुठभेड वृंदावन क्षेत्र में हुई, यहां थाना वृन्दावन पुलिस व एसओजी टीम की संयुक्त कार्यवाही में छिनैती की घटना का सफल अनावरण करते हुये पुलिस मुठभेड़ में एक अभियुक्त को एक मोबाइल आई फोन, 4600 रुपये, एक अवैध तमन्चा (02 जिन्दा व 03 खोखा)कारतूस एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकि के साथ गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त गणेश उर्फ अनेश पुत्र सतीश निवासी सौंसा थाना मगोर्रा जिला मथुरा उम्र करीब 28 वर्ष को पुलिस ने गौ ग्राम गेट चेतन्य बिहार फेस-2 से धौंरेरा की तरफ 250 मीटर की दूरी पर वृन्दावन से गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस की गोली लगने से अभियुक्त घायल हो गया।

मथुरा में बढ़ी चौकसी, अजनबियों पर पैनी नजर

प्रमुख मंदिरो, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड आदि पर चला सघन चौकिंग अभियान

मथुरा। बॉर्डर पर तनाव के बीच आंतरिक सुरक्षा को भी चुस्त किया गया है। प्रमुख मंदिरों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड और भीडभाड वाले स्थानों पर सघन चौकिंग अभियान चलाया गया। वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सघन तलाशी कराई जा रही है। किसी भी तरह की कोताही नहीं बरती जा रही है। जहां एक ओर खुशियां मनाई जा रही है तो वहीं पुलिसकर्मी मुस्तैदी से तैनात हैं। जगह जगह चेकिंग पॉइंट बने हुए हैं। मेटल डिटेक्टर से चेकिंग की जा रही है। रेलवे जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर दिया है। जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारियों ने चेकिंग चला कर व्यवस्था पर की। आरपीएफ सहायक आयुक्त एके सिंह ने थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश गोस्वामी के साथ जंक्शन के प्लेटफार्म एक और दो पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के लिए जंक्शन पर फोर्स तैनात की है। दिल्ली की ओर से आने वाली सभी ट्रेनों पर टीम कोच में जाकर चेकिंग करेगी, इसके अलावा संदिग्ध चीजों पर भी टीम की कड़ी निगरानी रहेगी।